CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

# सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 269 ता. 07 अप्रेल 2021, बुधवार, कार्यालय :114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत ( गुजरात ) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

## बढ़ते कोरोना मामलों पर एम्स चीफ डॉ रणदीप गुलेरिया की सलाह, मिनी लॉकडाउन समेत अक्रामक रणनीति की जरूरत

**नई दिल्ली।** कोरोना वायरस को लेकर देश के हालात लगातार बिगड़ते ही जा रहे हैं, दूसरी लहर आने के बाद सोमवार को पहली बार ऐसा हुआ जब देश में पहली बार दैनिक मामलों की संख्या 1 लाख को पार कर गई। इस पर बात करते हुए एम्स चीफ डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने कहा है कि हमें अब एक नई रणनीति की जरूरत है जिसमें हॉटस्पॉट्स के अंदर लॉकडाउन लगाये जाने जैसे सुझाव शामिल हो सकते हैं। लॉकडाउन पर बात करते हुए डॉक्टर गुलेरिया ने कहा हम पूर्ण रूप से लॉकडाउन लागू नहीं कर सकते तो मिनी कंटेनमेंटजोन बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोरोना के नए मामले समेत महाराष्ट्र समेत 10 राज्य ऐसे हैं जो चिंता का विषय बने हुए हैं। महाराष्ट्र में कोरोना से लड़ने के लिए नाईट कर्फ्यू और साप्ताहिक लॉकडाउन लगाया है। उनसे पूछा गया कि पूर्ण लॉकडाउन पर वो क्या सोचते हैं तो डॉक्टर गुलेरिया ने जवाब दिया, पूरे देश में लॉकडाउन को महामारी से निपटने का सही तरीका नहीं बताया जा रहा है। पूर्ण लॉकडाउन से न तो सिर्फ अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा बल्कि प्रवासी मजदूरों को भी दिक्कते झेलनी पड़ जाएंगी। अब 10 राज्यों में ही आंशिक लॉकडाउन लगाया गया है। एम्सी चीफ ने कहा कि पिछले साल चरणबद्ध तरीके से हटाए गए कंटेनमेंट जोन को फिर से लागू करने की जरूरत है। उनूहोंने कहा कि ज्यादा जरूरत वाले इलाके में उन्हें लागू किया जाना चाहिए। ये कंटेनमेंट जोन मिनी लॉकडाउन की तरह होंगे जहां कोई आवाजाही नहीं हो सकेगी। इसके अलावा उन्होंने सुझाव दिया कि टेस्टिंग और ट्रेसिंग पर ज्यादा जोर देना होगा और मरीजी के हर करीब रहने वाले व्यक्ति का कोरोना टेस्ट कराना होगा।

# बीजापुर हमले के बाद नक्सलियों को बख्शेगी नहीं सरकार, कश्मीर के आतंकियों जैसे होंगे ढेर

## हिड़मा पहला टारगेट

**नई दिल्ली।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सल हमले में जवानों की शहादत के बाद आक्रामक नक्सलरोधी कार्ययोजना (एक्शन प्लान) को अमल में लाया जाएगा। कश्मीर के आतंकियो की तरह ही शीर्ष नक्सल कमांडरों की सूची तैयार कर उन्हें ढेर किया जाएगा। सरकार ने बेहद सख्त रुख अपनाते हुए तय किया है कि बंदूक न छोड़ने वाले नक्सली कमांडर किसी भी सूरत में नहीं छोड़े जाएंगे।

**नक्सल कमांडर हिड़मा सूची में सबसे टॉप पर**

सूत्रों ने कहा सुरक्षा बलों ने आपस मे शीर्ष कमांडरों की एक सूची साझा की है। नक्सल कमांडर हिड़मा इसमे सबसे ऊपर है। सुरक्षा बल बीजापुर की घटना का बदला लेने के लिए इसे जल्द से जल्द मौत के घाट उतारना चाहते हैं। सूत्रों ने बताया कि जिस तरीके से नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर हमला किया, उसके बाद नक्सलियों के खिलाफ एक बड़े अभियान का खाका

तैयार हुआ है। इसके तहत एक समन्वित ऑपरेशन चलाया जाएगा, जिसकी कमान केंद्रीय सुरक्षा बलों के हाथ होगी और स्थानीय बल व विशेष दस्ते इसमे शामिल होंगे।

**एनटीआरओ से मिलेगी सटीक जानकारी**

नक्सल गतिविधियों की सटीक जानकारी के लिए एनटीआरओ की मदद ली जाएगी। सुरक्षाबल से जुड़े सूत्रों ने कहा,नक्सलरोधी अभियान के लिए ह्यूमन इंटेलिजेंस और टेक्निकल इंटेलिजेंस का सहारा लिया जाएगा। एनटीआरओ सुरक्षा एजेंसियों को रियल टाइम जानकारी देने में मदद करेगा। सूत्रों ने जानकारी दी है कि समीक्षा बैठक में गृह मंत्री अमित शाह ने दो टूक शब्दों में कह दिया है कि नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन में तेजी लाई जाएगी। हिंसा करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे। वहीं, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी भरोसा दिया है कि नक्सलरोधी ऑपरेशन को अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

**संख्त होगा ऑपरेशन प्रहार- 3**

मोस्टवांटेड नक्सली कमांडर की लिस्ट के आधार पर जल्द ही बड़ा ऑपरेशन सुरक्षाबल शुरू करेंगे। पूरे अभियान को ऑपरेशन प्रहार-3 का नाम दिया गया है। उन नक्सलियों को भी निशाना बनाने की तैयारी है, जो युवाओं का ब्रेनवाश कर उनको नक्सल गतिविधियों में शामिल करने के लिए उकसाते हैं। शीर्ष नक्सल कमांडरों की सूची में पीएलजीए- 1 का सबसे बड़ा कमांडर हिडमा शामिल है। जिसके बारे में सुरक्षा बलों को हाल ही में पता चला है कि वो सुकमा के जंगलों में छिपा है। हिड़मा के अलावा कमलेश उर्फ लछु, साकेत नुरेती, लालू दंडमी,मंगेसग गोंड,राम जी,सुखलाल,मलेश आदि नाम सूची में शामिल हैं। ये नक्सलियों की अलग-अलग कंपनियों के कमांडर हैं।

> ● सूत्रों ने कहा सुरक्षा बलों ने आपस मे शीर्ष कमांडरों की एक सूची साझा की है। नक्सल कमांडर हिड़मा इसमे सबसे ऊपर है। सुरक्षा बल बीजापुर की घटना का बदला लेने के लिए इसे जल्द से जल्द मौत के घाट उतारना चाहते हैं।
> सूत्रों ने बताया कि जिस तरीके से नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर हमला किया, उसके बाद नक्सलियों के खिलाफ एक बड़े अभियान का खाका तैयार हुआ है।
> इसके तहत एक समन्वित ऑपरेशन चलाया जाएगा, जिसकी कमान केंद्रीय सुरक्षा बलों के हाथ होगी और स्थानीय बल व विशेष दस्ते इसमे शामिल होंगे।

**ड्रोन, हेलीकॉप्टर से होगी छानबीन**

सूत्रों ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान सटीक लोकेशन की जानकारी और बैकअप के लिए ड्रोन और हेलीकॉप्टर की मदद लेने पर भी विचार चल रहा है। सुरक्षा बल से जुड़े सूत्रों की माने तो इस बार की गर्मियों में सुरक्षाबल नक्सलियों पर कहर बनकर टूटने वाले हैं। घनघोर जंगलों में भी अभियान चलेगा। सुरक्षाबलों का नुकसान कम करने और ऑपरेशनल चूक को न दोहराने को लेकर भी एजेंसियो के बीच मंथन चल रहा है। एक अधिकारी ने कहा हम चूक का विश्लेषण करेंगे और सुधार करेंगे। विशेष प्रशिक्षित कमांडो दस्तों को ही नक्सलियों के कोर गढ़ में भेजा जाएगा।

# लॉकडाउन के डर से दिल्ली, हरियाणा-देहरादून से बिहार लौटने लगे प्रवासी

**पटना।** मुम्बई सहित कई राज्यों में सख्ती के साथ बिहार में स्कूल-कॉलेज बंद होने की खबर के बाद दोबारा लॉक डाउन के डर बिहार लौटने लगे हैं प्रवासी। बोरे में कपड़े, झोले में जरूरत के सारे सामान और चेहरे पर हताशा लिये देहरादून में मजदूरी करने वाले मदन राम पूरे परिवार के साथ बस स्टैंड पहुंचे हैं। शाम के छह बज रहे हैं। उन्हें मुजफ्फरपुर जाना है। मदन राम बताते हैं कि वह देहरादून में राजमिस्त्री का काम करते हैं। तीन बच्चों और पत्नी के साथ देहरादून में रह रहे थे। पिछले साल लॉक डाउन खत्म होने के बाद नवम्बर में देहरादून गये थे। सोचा था कि अब जिन्दगी पटरी पर लौट आएगी। लेकिन जैसे ही होली का समय आया, दोबारा कोरोना संक्रमण की लहर से वे सहम गये। उनके साथ मुजफ्फरपुर के ही लगभग चार परिवार और बस स्टैंड पहुंचे थे। धीरे-धीरे यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। राजधानी के मीठापुर बस स्टैंड में बाहर से आने वाले यात्रियों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। शाम होने के बावजूद कई लोग निजी वाहन बुक करके घर को जाते दिख रहे हैं। इसके बावजूद बस स्टैंड में कोरोना से लड़ने का कोई इंतजाम नहीं दिख रहा है। न तो कोई स्क्रीनिंग की व्यवस्था है और न मास्क चेक करने की।

**लॉकडाउन के डर से कर्ज लेकर हरियाणा से पूर्णिया पहुंचे मनोज**

हरियाणा के एक निजी कंपनी में काम करने वाले मनोज भी सोमवार को ट्रेन से पटना पहुंचे। पूर्णिया जाने के लिए वह बस स्टैंड आए हुए थे। मनोज बताते हैं कि अभी तो जिन्दगी ने रफ्तार पकड़नी शुरू की थी, फिर से कोरोना डराने लगा है। लॉकडाउन के डर से परिवार वालों ने घर लौटने को कहा। उनके पास घर लौटने को पैसे भी नहीं थे। मजबूरी में दोस्तों से कर्ज लेकर ट्रेन पकड़े। दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले दीपक भी घर लौट गये हैं। उन्हें मोतिहारी जाना है।

# मुख्तार अंसारी को हिरासत में लेने के लिए पंजाब के पुलिस लाइंस रूपनगर पहुंची यूपी पुलिस

**नई दिल्ली।** गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी को अपनी हिरासत में लेने के लिए यूपी पुलिस की टीम मंगलवार तड़के सुबह पुलिस लाइंस रूपनगर (पंजाब) पहुंची। अब यूपी पुलिस यहां की में बंद मुख्तार अंसारी को बांदा जेल लेकर जाएगी। बांदा जेल तक लाने में पंजाब पुलिस के कमांडो यूपी पुलिस की मदद करेंगे। पंजाब के उच्च पुलिस अधिकारी ने बताया कि पंजाब पुलिस के ट्रेंड कमांडो का एक दस्ता यूपी पुलिस की मदद के लिए उनके साथ बांदा तक जाएगा।

मुख्तार अंसारी को पंजाब से बांदा तक लाने के लिए दो रास्तों को तैयार किया गया है। वो दो रास्ते कौन होंगे और किस रास्ते से मुख्तार अंसारी की यूपी वापसी होगी यह अंतिम समय में तय होगा। यूपी पुलिस के तेज तर्रार पुलिसकर्मियों के साथ पंजाब पुलिस के जवान भी रास्ते भर साथ रहेंगे। यूपी पुलिस को रास्ते में कोई दिक्कत न हो और मुख्तार अंसारी की बांदा तक सुरक्षित वापसी हो इसके लिए पंजाब पुलिस का दस्ता सहयोग करेगा।

**रोपड़ के चप्पे-चप्पे पर पुलिस का पहरा**

सोमवार शाम से ही रोपड़ की सुरक्षा और कड़ी कर दी गई और चप्पे-चप्पे पर पंजाब पुलिस का पहरा है। कई जगह बैरिकेट्स लगाकर चेकिंग की गई। स्थानीय लोग भी इतनी सुरक्षा देखकर आशंकित नजर आए। रोपड़ से बाहर निलकने के कई रास्ते हैं। सभी रास्तों पर विशेष चेकिंग अभियान सोमवार देर तक जारी रहा। स्थानीय पुलिस के अनुसार यूपी पुलिस के कुछ जवान दो तीन दिन से शहर में मौजूद हैं। वहीं देर शाम काफी संख्या में यूपी पुलिस के जवान पहुंचे हैं।

## गर्मी ने तोड़े रिकॉर्ड

# 121 सालों के इतिहास में तीसरा सबसे गर्म रहा मार्च का महीना

**नई दिल्ली।** भारत के कुछ इलाकों में एक तरफ जहां कोरोना का कहर देखने को मिल रहा है तो दूसरी तरफ गर्मी ने भी लोगों की हालत खराब कर दी है। मार्च के महीने में मई-जून जैसी गर्मी पड़ रही है। बता दें कि 121 सालों में इस बार मार्च का महीना तीसरा सबसे गर्म मार्च रहा है। इस बार वाला मार्च का महीना 11 सालों में सबसे गर्म रहा है। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि मार्च में महीने में देश के कई हिस्सों में पारा 40 डिग्री को भी पार गया। इससे पहले 2010 में देश का औसत अधिकतम ततापमान 33.09 और 2004 में 32.82 था। इससे पहले इन दो सालों में मार्च में इतनी ज्यादा गर्मी देखी गई थी। इस बार होली पर भी खूब गर्मी देखने को मिली और होली ने भी गर्मी के मायनों में रिकॉर्ड तोड़ दिए। होली के दिन दिल्ली में 40.1 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। बता दें कि 1945 के बाद मार्च महीने में यह सबसे अधिक तापमान रहा है। 76 सालों में ऐसा पहली बार हुआ है जब मार्च का तापमान 40 डिग्री तक पार कर गया है। मौसम विभाग ने सोमवार को सूचना दी कि महीने के आधार पर औसत अधिकतम तापमान के हिसाब से पता तला है कि मार्च 2021 की गर्मी 121 सालों में तीसरे नंबर पर आती है। इसका मतलब ये है 121 सालों में बस दो बार और ऐसा हुआ है जब इससे भी ज्यादा गर्म मार्च देखे गए हैं।

# मुंबई के बाद दिल्ली मे लगेगा नाइट कर्फ्यू? तेजी से बढ़ रहे कोरोना के दैनिक मामले

**नई दिल्ली।** देश में बीते साल की ही तरह कोरोना वायरस की नई लहर डराने लगी है। रोजाना बढ़ते दैनिक आंकड़े जगह-जगह वापस लॉकडाउन की स्थिति ला रहे हैं। इसी कड़ी में अब राजधानी दिल्ली में भी जल्द नाइट कर्फ्यू लग सकता है। एक अधिकारी ने सोमवार को ये जानकारी दी। इधर, कोरोना को ही लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ जल्द समीक्षा बैठक करेंगे। राजधानी में नाइट कर्फ्यू को लेकर बयान तब आया है जब यहां कोरोना के दैनिक मामले 3,548 पहुंच गए हैं। ये पिछले दिन के आंकड़े से थोड़ा अधिक है। पॉजिटिविटी रेट 5 प्रतिशत बढ़ा है। डब्लूएचओ के अनुसार इस स्थिति को नियंत्रण में माना जाता है। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि कोरोना के मामले बढ़ने के मद्देनजर नाइट कर्फ्यू पर विचार हो रहा है। हालांकि सरकार ने इसके लिए सही समय अभी तय नहीं किया है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र और पंजाब देश के ऐसे दो राज्य हैं, जहां पिछले एक पखवाड़े से कोरोना वायरस संक्रमण के सर्वाधिक दैनिक मामले सामने आ रहे हैं। आधिकारिक दस्तावेजों से यह जानकारी मिली है। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ कैबिनेट सचिव की बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा पेश किए गए दस्तावेजों में बताया गया कि ये दोनों राज्य उन पांच राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शामिल हैं, जहां दैनिक मामलों की अपनी पुरानी चरम संख्या से भी अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चंडीगढ़, छत्तीसगढ़ और गुजरात भी शामिल है। चिंता के बीच राहत भरी खबर यह है कि देश के 14 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ऐसे भी हैं जहां बीते 24 घंटे के अंदर कोरोना वायरस की वजह से एक भी मौत नहीं हुई है। ये राज्य हैं- ओडिशा, असम, पुडुचेरी, लद्दाख, दमन-दीव, दादर नागरहवेली, नगालैंड, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम, लक्ष्द्वीप, मिजोरम, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह और अरुणाचल प्रदेश।

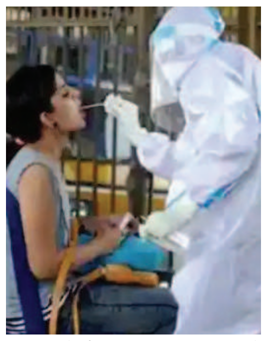

# अनिल देशमुख के इस्तीफे के बाद ठाकरे सरकार पर बीजेपी का चौतरफा हमला

**मुंबई।** उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के बाहर विस्फोटकों से भरी स्कॉर्पियो मिलने के बाद पहले माहाराष्ट्र के पुलिस महकमे में काफी फेरबदल दिखे। अब इसका असर महाराष्ट्र की सियासत पर भी दिखने लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट के द्वारा सीबीआई जांच का आदेश देने के बाद गृह मंत्री अनिल देशमुख ने इस्तीफा दे दिया। इसके बाद विपक्षी पार्टी भाजपा महाविकास अघाड़ी सरकार को घेरने में जुट गई है।

केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने मोर्चा संभाला। उन्होंने कहा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य के गृह मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता अनिल विश्वमुख द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद इस्तीफा देने के बाद सरकार चलाने का नैतिक अधिकार खो दिया है।

उन्होंने कहा, मुझे यह दिलचस्प लगता है कि अनिल देशमुख ने नैतिक जिम्मेदारी ली है। मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी का क्या? उद्धव ठाकरे ने सरकार चलाने की नैतिक जिम्मेदारी खो दी है।%% आपको बता दें कि अनिल देशमुख ने ट्विटर पर दिए इस्तीफे पत्र में कहा कि वह उनके खिलाफ उच्च न्यायालय के आदेश के बाद गृह मंत्री के रूप में जारी रहना नैतिक रूप से सही नहीं मानते हैं।

मार्च में परमबीर सिंह ने उद्धव ठाकरे को लिखे एक पत्र में आरोप लगाया कि अनिल देशमुख ने निलंबित सचिन वाजे को होटल और बार से प्रति महीने 100 करोड़ रुपए इकट्ठा करने के लिए कहा था। मुंबई में मुकेश

अंबानी के घर के पास विस्फोटक पाए जाने के बाद फरवरी के अंत में परमबीर सिंह का ट्रांसफर कर दिया। उन्होंने इसके बाद यह चिट्ठी भेजी थी। आपको बता दें कि सचिन वाझे को इसी मामले में एनआईए ने गिरफ्तार किया था। उनसे फिलहाल पूछताछ जारी है। वाझे के खिलाफ ठाणे के व्यवसायी मनसुख हिरन की मौत के संबंध में भी जांच की जा रही है, जिनकी कार मुकेश अंबानी के घर के पास मिली थी। रविशंकर प्रसाद ने पूरे मामले पर सीएम की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, सीएम उद्धव ठाकरे कब बोलेंगे? उद्धव ठाकरे की सुसंगत, स्पष्ट चुप्पी अपने आप में कई सवाल खड़े कर रही है।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने भी उद्धव ठाकरे पर हमला किया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री क्यों चुप हैं? उनकी चुप्पी अनिश्चित है। HC के आदेश के बाद, फड़नवीस ने कहा था, प्रारंभिक जांच में सच्चाई सामने आएगी। HC के आदेश के बाद देशमुख का मंत्री के रूप में बने रहना अनुचित है।

एनसीपी नेता और राज्य मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद, अनिल देशमुख ने राकांपा अध्यक्ष शरद पवार से मुलाकात की। उन्हें लगा कि इस आदेश के बाद पद पर बने रहना ठीक नहीं है, इसलिए उन्होंने पद छोड़ने की इच्छा व्यक्त की। मलिक ने कहा कि परमबीर सिंह के आरोप बेबुनियाद हैं। आपको बता दें कि एनसीपी नेता दिलीप वालसे पाटिल को गृह विभाग का प्रभार दिया गया है।

CMYK

## सार समाचार

### कोरोना मरीजों के लिए जोड़े जा रहे 5 हजार बिस्तर, संक्रमण की स्थिति पर नजर रख रही है सरकार: सत्येंद्र जैन

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ने के बीच दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि आप सरकार महामारी की स्थिति को लेकर सतर्क है और स्थिति पर नजर रख रही है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि अब तक दिल्ली में 12 लाख से अधिक लोगों को टीका लगाया जा चुका है। महामारी की स्थिति पर जैन के बयान से कुछ घंटे पहले दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के मामलों में तीव्र वृद्धि के मद्देनजर रात दस बजे से सुबह पांच बजे तक रात का कर्फ्यू लगा दिया। शहर में सोमवार को कोरोना वायरस के 3,548 नये मामले सामने आये तथा 15 और मरीजों की जान चली गयी। यहां अब तक 11,096 मरीजों की मौत हो चुकी है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। शहर में रात का कार्फ्यू 30 अप्रैल तक रहेगा।

### गुजरात में किसानों के लिए चलाना पड़ेगा मुक्ति अभियान, भाजपा के नेता भी जुड़ रहे हमारे साथ: राकेश टिकैत

नयी दिल्ली। केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसान संगठनों का आंदोलन नंवबर के आखिरी सप्ताह से जारी है और किसान अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने गुजरात के किसानों के लिए मुक्ति अभियान चलाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वहां के किसान बंधन में है और किसान मुक्ति अभियान चलाना पड़ेगा। समाचार एजेंसी के मुताबिक किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि आंदोलन लंबा चलेगा। आंदोलन देश के गांव-गांव में चला गया है। गुजरात के किसान बंधन में हैं। वहां किसान मुक्ति अभियान चलाना पड़ेगा। वहां पुलिस राज चल रहा है। भाजपा के नेता भी हमारे साथ जुड़ रहे हैं। संसद के घेराव की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

### असम चुनाव में गोलीबारी पर विधानसभा उपाध्यक्ष से दो बार हुई पूछताछ, पांच पुलिसकर्मी निलंबित

सिलचर। असम में दूसरे चरण के विधानसभा चुनाव के दौरान विधानसभा उपाध्यक्ष अमीनुल हक लश्कर के सुरक्षाकर्मियों द्वारा लोगों पर गोलियां चलाये जाने के बाद लश्कर से दो बार पूछताछ की गयी है जबकि पांच पुलिसकर्मी निलंबित कर दिये गये हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अप्रैल को सोनाई विधानसभा क्षेत्र में 463 मध्य धनेहोरी एलपी स्कूल में मतदान केंद्र के अंदर भाजपा एवं एआईयूडीएफ के समर्थकों के बीच झड़प हो गयी थी और लश्कर के अंगरक्षकों द्वारा गोली चलाने से कम से कम तीन लोग घायल हो गये थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पिछले 48 घंटे के दौरान लश्कर से दो बार कई घंटों तक पूछताछ की गयी और मजिस्ट्रेट के सामने उनका बयान दर्ज कराया गया। निवर्तमान विधायक लश्कर का सोनाई सीट पर एआईयूडीएफ के करीम उद्दीन बारभूइयां से सीधा मुकाबला है। इस संबंध में जब संपर्क किया गया तब कच्छार के पुलिस अधीक्षक भंवर लाल मीणा ने पीटीआई-से कहा कि विधानसभा उपाध्यक्ष से जुड़े सभी नौ पुलिसकर्मी वर्तमान जांच के मद्देनजर तत्काल प्रभाव से ड्यूटी से हटा दिये गये हैं।

### महाराष्ट्र में कोविड-19 देखभाल केंद्र की इमारत में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले के चांदवाड में निजी कोविड-19 देखभाल केंद्र (सीसीसी) की इमारत में मंगलवार को आग लग गयी लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आग से इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित कोविड-19 देखभाल केंद्र पर कोई असर नहीं पड़ा। केंद्र में भर्ती करीब 22 मरीजों को एहतियात के तौर पर नगर के उप जिला अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। उन्होंने बताया कि तीन मंजिला इमारत के भूतल पर फर्नीचर की दुकान में अपराह्न तीन बजे के करीब आग लगी लेकिन जल्द ही इस पर काबू पा लिया गया। आग से दुकान पूरी तरह खाक हो गयी। चांदवाड, मनमाड, मंगरूल नाका, मालेगांव और पिंपलागांव से दमकल की गाड़ियों को सेवा में लगाया गया और दो घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि आग के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

### बी एस येदियुरप्पा ने कहा, कर्नाटक में नयी पीढ़ी की कंपनियों को पूरा समर्थन देंगे

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने कहा है कि उसकी सरकार राज्य में नयी पीढ़ी की कंपनियों को पूरा समर्थन देने की इच्छुक हैं। ट्राइटन इलेक्ट्रिक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और संस्थापक हिमांशु पटेल के साथ वर्चुअल बैठक में मुख्यमंत्री ने यह बात कही। यह बैठक सोमवार को हुई। इसमें राज्य में ट्राइटन इलेक्ट्रिक वेहिकल्स के लिए निवेश अवसरों पर चर्चा हुई। एक आधिकारिक बयान में येदियुरप्पा के हवाले से कहा गया है, ''कर्नाटक सरकार नयी पीढ़ी की ट्राइटन इलेक्टिक वेहिकल्स जैसी कंपनियों को प्रवेश देने के लिए पूरा समर्थन देगी।'' उन्होंने कहा कि रामनगर में ईवी केंद्र 500 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है। इसके जरिये एक मजबूत इलेक्ट्रिक वाहन पारिस्थितिकी तंत्र की पेशकश की जाएगी।

# ममता 'दीदी' के 10 साल के विश्वासघात का जनता देगी जवाब: पीएम मोदी

**कोलकाता। (एजेंसी)।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हावड़ा में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हावड़ा में आना हमेशा ही एक नई प्रेरणा और ऊर्जा देता है। उन्होंने कहा कि आसोल परिवर्तन की एक प्रचंड लहर मैं अपने साथ देख रहा हूं। पश्चिम बंगाल का यह चुनाव अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि 10 साल तक दीदी ने बंगाल में जिस तरह विश्वासघात किया उसका जवाब इस बार बराबर बंगाल की जनता दे रही है। दीदी के टोलाबाज, सिंडिकेट, अन्याय, अत्याचारी और हत्याचारी सरकार से हर कोई परेशान है।

उन्होंने कहा कि स्थिति ये आ गई है कि दीदी के दल को पोलिंग बूथ पर पोलिंग एजेंट नहीं मिल रहे हैं। कुछ दिन पहले तक दीदी चुनाव आयोग पर, केंद्रीय वाहिनी पर पोलिंग एजेंट्स को रोकने का आरोप लगा रही थीं, अब वो खुलेआम मान रही हैं कि उनके पोलिंग एजेंट्स ही बगावत करने लगे हैं। असल में हर में माताओं, बहनों का बहुत अधिक दबाव तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर ही है। घर में ही दबाव पैदा हो गया है। इस दौरान पीएम मोदी ने दबाव की असल वजह का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि लोग अब यह भी चर्चा कर रहे है कि 2 मई की बहुत बड़ी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस ही बिखर जाएगी। भाजपा की स्थापना दिवस के मौके पर हावड़ा में मौजूद हूं और पार्टी की स्थापना के प्रेरणापुण्य हैं, इसी धरती में जन्म लेने वाले डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी।

पीएम मोदी ने कहा कि डॉ मुखर्जी कहते थे कि शासन राज करने के लिए नहीं बल्कि नागरिकों के सपने पूरे करने का माध्यम होता है। यही तो असोल परिवर्तन है जो पश्चिम बंगाल को चाहिए। जिसके लिए 2 मई के बाद बनने वाली भाजपा की डबल इंजन की सरकार प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि बंगाल और नंदीग्राम ही नहीं बल्कि दीदी से तो अब नंदी भी अपनी नाराजगी खुलकर जताने लगे हैं। स्थिति ये आ गई है कि दीदी के दल को आज पोलिंग बूथ पर पोलिंग एजेंट नहीं मिल रहे हैं।

# भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए सबको मिलकर कार्य करना होगा: मोहन भागवत

**हरिद्वार। (एजेंसी)।**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को कहा कि भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। यहां देवसंस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज में शांतिकुंज स्वर्ण जयंती व्याख्यानमाला के मौके पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं गायत्री परिवार व्यक्ति निर्माण का अभिनव कार्य कर रहे हैं।

भागवत ने कहा कि केवल अपना भौतिक सुख ही सब कुछ नहीं है बल्कि सर्वे भवन्तु सुखिनः के भाव से किए जाने वाले कार्य से आत्मा को संतुष्टि मिलती है और यही सबका लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। इससे पहले, विश्वविद्यालय पहुंचने पर सरसंघचालक का प्रतिकुलपति डॉ चिन्मय पण्ड्या ने मंगल तिलक करके एवं उपवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। यहाँ भागवत ने प्रज्ञेश्वर महादेव मंदिर पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्र की सुख, समृद्धि की प्रार्थना की।

इससे पूर्व, भागवत ने सोमवार सुबह हर की पैड़ी पहुंचकर गंगा की पूजा अर्चना कर राष्ट्र की उन्नति, समृद्धि, विश्व में शांति, कोविड-19 की समाप्ति तथा महाकुंभ मेला के सकुशल संपन्न होने की प्रार्थना की। संघ प्रमुख के हर की पैड़ी पहुंचने पर गंगा सभा के पदाधिकारियों ने उन्हें गंगा जी का सविग्रह पूजन कराया। हर की पैड़ी पर स्वच्छता,एवं व्यवस्था के लिए गंगा सभा के प्रयासों की सराहना करते हुए भागवत ने कहा कि सेवा भाव से ही समाज और राष्ट्र की उन्नति होती है। उन्होंने कहा कि हमेशा दूसरों के दुःखों के बारे में सोचना भारतीय संस्कृति की विशेषता है।

# गोरखपुर के भाजपा नेताओं ने अखिलेश की मौजूदगी में थामा समाजवादी पार्टी का दामन

**लखनऊ। (एजेंसी)।**

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में आस्था जताते हुए गोरखपुर के नेताओं ने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सन 2022 के चुनावों में समाजवादी पार्टी की बहुमत की सरकार बनाने में जी जान से जुटेंगे और चुनावों के बाद प्रदेश में सपा की सरकार बनेगी। गोरखपुर जनपद के फौजदारी अधिवक्ता एवं भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य नीरज शाही एडवोकेट सहित कई नेताओं के समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने पर पार्टी नेताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की है। पार्टी के जिलाध्यक्ष नगीना प्रसाद साहनी ने कहा कि नीरज शाही सहित पार्टी में शामिल नेताओं को आने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। हिंदू युवा वाहिनी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और योगी आदित्यनाथ के दाहिने हाथ कहे जाने वाले पूर्व भाजपाई सुनील सिंह जिन्होंने अब सपा की सदस्यता ले ली है, ने बीजेपी के कार्यकर्ताओं को समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने में सहयोग प्रदान किया। प्रसन्नता व्यक्त करने वाले में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष नगीना प्रसाद साहनी, अखिलेश यादव, राजमती निषाद, जगदीश यादव डॉ मोहसिन खान, के सी पांडे, विजय बहादुर यादव, चंद्रबली यादव, अमरेंद्र निषाद, रजनीश यादव, राजेश सिंह, गीतांजलि यादव, संजय सिंह एडवोकेट, सुनील सिंह, संतोष यादव, इंदल यादव, सौरभ, चंदन आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

# मिसाइलों के साथ लद्दाख में गरजे राफेल लड़ाकू विमान, पहली बार सामने आईं ऐसी तस्वीरें

**नई दिल्ली। (एजेंसी)।**

भारतीय वायुसेना ने मंगलवार को पहली बार मिसाइलों से लैस होकर आसमान में गरजते राफेल लड़ाकू विमानों की तस्वीरें जारी की हैं। हाल ही में भारतीय वायुसेना में शामिल हुए राफेल विमान हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों को लेकर लद्दाख के आसमानों में उड़े। पिछले साल सितंबर में ही राफेल विमानों को भारतीय वायुसेना में शामिल गया गया है। भारत ने फ्रांस से 36 राफेल विमानों का सौदा किया था, जिनमें से कई भारत आ चुके हैं। पहले राफेल विमान को भारतीय वायुसेना में शामिल किए जाने के समय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था, 'राफेल विमानों को शामिल किया जाना पूरी दुनिया को बड़ा और कड़ा संदेश है, खासकर उनके लिए जो हमारी संप्रभुता पर नजर रखते हैं। जिस तरह का माहौल सीमा पर बनाया गया है उसमें यह और भी अहम है।' फिलहाल साल 2021 के आखिर तक भारत में राफेल की पूरी खेप पहुंच जाएगी, जिसके तहत हमें 36 राफेल विमान मिलेंगे। राफेल का एक स्क्वॉड्रन अंबाला में रहेगा, और एक हसीमाड़ा एयरबेस पर। राफेल में तीन तरह की मिसाइलें होंगी। पहली, हवा से हवा में मार करने वाली मीटियोर मिसाइल। दूसरी, हवा से जमीन में मार करने वाल स्कैल्प मिसाइल और तीसरी है हैमर मिसाइल।

## भारत अपनी सीमाओं पर कर रहा है नई चुनौतियों का सामना: थल सेना प्रमुख

**नई दिल्ली।** थल सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने मंगलवार को कहा कि भारत अपनी सीमाओं पर नए सिरे से चुनौतियों का सामना कर रहा है और प्रशिक्षण ले रहे सैन्य अधिकारियों को इस तरह के सभी घटनाक्रमों से अवगत रहना चाहिए। जनरल नरवणे तमिलनाडु के वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) में 'पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं के घटनाक्रम तथा भारतीय सेना के भावी रोडमैप पर उनके प्रभाव' विषय पर व्याख्यान दे रहे थे। भारतीय सेना द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, थल सेना प्रमुख ने जोर दिया कि देश अपनी सीमाओं पर नयी चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने छात्रों से सभी घटनाक्रमों को लेकर अवगत रहने का आह्वान किया। जनरल नरवणे कॉलेज के दो दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने कॉलेज में 76वें स्टाफ पाठ्यक्रम में शामिल अधिकारियों और संकाय सदस्यों को व्याख्यान दिया। बयान में कहा गया है कि डीएसएससी के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एम जे एस कहलों ने तीनों सेनाओं के बीच समन्वय के साथ प्रशिक्षण गतिविधियों और नयी पहलों को शामिल करने की जानकारी दी।

# मनसुख हिरेन मौत मामला: एनआईए जांच के लिए सचिन वाजे को ले गई सीएसएमटी

**मुबई। (एजेंसी)।**

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) व्यापारी मनसुख हिरेन की मौत के मामले की जांच के सिलसिले में निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) ले गई। हिरन की जिस दिन मौत हुई थी, वाजे ने उसी दिन यहीं से निकटवर्ती ठाणे के लिए ट्रेन पकड़ी थी। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि चार मार्च की सीसीटीवी फुटेज में वाजे सीएसएमसीट से ठाणे के लिए ट्रेन पकड़ते दिख थे। इसलिए चीजों को समझने के लिए एनआईए मंगलवार रात वाजे का स्टेशन ले गई। इसके बाद एनआईए वाजे को ठाणे जिले के मुंब्रा क्रीक ले गई, जहां से पांच मार्च को हिरन का शव बरामद हुआ था।

जांच एजेंसी 25 फरवरी को दक्षिण मुम्बई में मुकेश अंबानी के घर के पास एक एसयूवी से जिलेटिन की छड़ें बरामद होने और फिर हिरन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद वाजे एनआईए की जांच के घेरे में आए थे। वाजे को 13 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। अधिकारी ने बताया कि सोमवार को सीएसएमटी पर जांच के दौरान एनआईए के अधिकारियों ने वाजे का 'प्लेटफॉर्म नंबर'-चार पर चलने को कहा, ताकि सीसीटीवी फुटेज में दिखे व्यक्ति और उनकी चाल की तुलना की जा सके। इसके बाद वाजे को मुंब्रा क्रीक ले जाया गया, जहां पिछले महीने हिरन का शव बरामद हुआ था।

उन्होंने बताया कि एनआईए टीम सीएसएमटी और मुंब्रा क्रीक पर एक-एक घंटे से ज्यादा रुकी। उनके साथ कुछ चश्मदीद, फोरेंसिक विशेषज्ञ और रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी भी मौजूद थे। इससे पहले, एनआईए वाजे को एक पांच सितारा होटल, जहां वह नकली पहचान पत्र दिखाकर रुके थे, उपनगरीय अंधेरी स्थित एक कार्यालय, जहां कथित तौर पर पूरी साजिश रचने के लिए बैठक की गई थी और मुंब्रा क्रीक सहित कई स्थानों पर ले जा चुकी है। एनआई ने जांच के दौरान वाजे द्वारा इस्तेमाल किए गए जाने वाले कई महंगे वाहन भी जब्त किए हैं।

# हर्षवर्धन ने कहा, अभी वायरस यहीं पर है, इसलिए हम सभी को बचकर रहने की जरूरत

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोनिड़19 स्थिति की समीक्षा के लिए 11 राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक की। हर्षवर्धन ने कहा, अभी वायरस यहीं पर है, इसलिए हम सभी को बचकर रहने की जरूरत है। हम कोरोना से तभी लड़ पाएंगे, जब मीडिया और समाज मिलकर हमारी मदद करेगी।

उन्होंने कहा कि सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य छत्तीसगढ़ 20 फीसद की पॉजिटिविटी रेट और 8 फीसद की ग्रोथ रेट के साथ है। मामलों में 10 गुना वृद्धि हुई है। पंजाब में 80 फीसद यूके के वेरिएंट पाए गए हैं। मामलों के बढ़ने का कारण पर उन्?होंने कहा कि यह हमारे संज्ञान में आया है कि मामलों में अचानक वृद्धि के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें भव्य शादियां, स्थानीय निकाय चुनाव, किसानों के विरोध आदि सहित शामिल हैं। कोरोना से लड़ने के लिए मास्क वाला वैक्सीन सबसे ज्यादा जरूरी है। हमने पिछले 24 घंटों में 4.3 मिलियन वैक्सीन एडमिनिस्टर किए, ये हमारे लिए गर्व की बात है।

कोरोना वैक्सीनेशन दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन प्लान है।

केंद्र सरकार ने कोविड पर नियंत्रण और रोकथाम उपायों के लिए महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और पंजाब में 50 उच्च स्तरीय स्वास्थ्य टीमों को रवाना किया है। कोरोना के गंभीर होते हालात के मद्देनजर हर्षवर्धन महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब और राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक की। इनमें से कुछ राज्यों में बहुत ही तेजी से संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं।

इस बीच कोरोना के बढ़ते मामले को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नया टीकाकरण केंद्र खोलने के लिए शर्तों में ढील देने का अनुरोध किया है। इसके साथ ही टीकाकरण के लिए आयु सीमा में छूट देने की मांग भी की है। अरविंद केजरीवाल ने पत्र के माध्यम से पीएम मोदी से अपील की है कि कोरोना का टीका सभी लोगों के लिए उपलब्ध कराया जाए। वहीं उद्धव ठाकरे ने 25 वर्ष से ऊपर सभी लोगों को टीका लगाने की अनुमति देने की मांग की है।

इसी बीच इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने मंगलवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखते हुए कहा है कि टीकाकरण 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों के लिए भी खोल देना चाहिए।

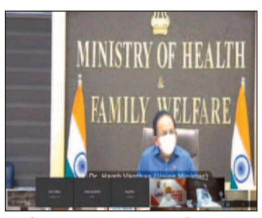


केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटे में भारत में कोरोना वायरस के 96,982 नए मामले आने के बाद कुल पॉजिटिव मामलों की संख्या 1 करोड़ 26 लाख 86 हजार 49 हो गई है। इस दौरान हुई 446 नई मौतों के बाद कुल मौतों की संख्या 1 लाख 65 हजार के पार हो गई है। देश में लगातार 27 दिनों से नए मामलों में हो रही बढ़ोतरी के बाद सक्रिय मामलों की संख्या भी बढ़कर 7 लाख 88 हजार 223 हो गई, जो कुल मामलों का 6.21 फीसद है।

## राहुल गांधी ने राफेल सौदे से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट को लेकर सरकार पर निशाना साधा

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राफेल सौदे में एक बिचौलिये को 11 लाख यूरो (करीब 9.5 करोड़ रुपये) का भुगतान किए जाने के दावे संबंधी फ्रांसीसी मीडिया की एक खबर को लेकर मंगलवार को सरकार पर निशाना साधा और कहा कि व्यक्ति जो कर्म करता है उसका फल सामने आ जाता है तथा इससे कोई बच नहीं सकता। उन्होंने ट्वीट किया, ''कर्म = किसी के कार्यों का लेखाजोखा। कोई इससे बच नहीं सकता।'' उल्लेखनीय है कि फ्रांसीसी समाचार पोर्टल 'मीडिया पार्ट' ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि फ्रांसीसी भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी (एएफए) ने खुलासा किया है कि राफेल की निर्माता कंपनी दसॉल्ट ने एक बिचौलिये को 11 लाख यूरो का कथित तौर पर भुगतान किया था। कांग्रेस ने इस खबर का का हवाला देते हुए सोमवार को इस मामले में निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की थी तो भाजपा ने आरोपों को 'पूरी तरह निराधार' करार देते हुए आरोप लगाया था कि मुख्य विपक्षी पार्टी सुरक्षा बलों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला संवाददाताओं से कहा कि फ्रांस के एक समाचार पोर्टल ने अपने नये खुलासे से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के इस रुख को सही साबित किया है कि राफेल विमान सौदे में भ्रष्टाचार हुआ है। इस पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि ये आरोप पूरी तरह निराधार हैं तथा उच्चतम न्यायालय ने भी इस मामले की जांच कराने संबंधी मांग को खारिज कर दिया था और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने इसमें कुछ गलत नहीं पाया था।

## सार समाचार

### मेक्सिको के राष्ट्रपति ने कहा- उन्हें कोविड-19 रोधी टीके की जरूरत नहीं

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के राष्ट्रपति ने सोमवार को कहा कि उन्हें कोविड-19 रोधी टीका नहीं दिया जाएगा क्योंकि उनके डॉक्टरों ने उन्हें बताया है कि जनवरी में संक्रमित होने के बाद से उनके शरीर में एंटीबॉडी का स्तर अब भी बहुत ज्यादा है। राष्ट्रपति आंद्रेज मैनुएल लोपेज ओबराडोर ने कहा, 'मेरे शरीर में पर्याप्त मात्रा में एंटीबॉडी है और अभी मेरे लिये टीके की खुराक लेना बहुत जरूरी नहीं है।' राष्ट्रपति ने कई बार कहा है कि टीका लगवाने के लिए वह अपनी बारी का इंतजार करेंगे। पिछले साल मार्च में लोपेज ओबराडोर ने कहा था कि मेक्सिको सिटी में 60 वर्ष की आयु से अधिक के लोगों को जब टीके की पहली खुराक दी जा चुकी होगी, तब वह टीका लगवाएंगे। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने उन्हें सलाह दी है कि उन्हें टीके की जरूरत नहीं है।

### हिंद महासागर में भारत, अमेरिका सहित 5 देशों की नेवी ने दिखाई ताकत तो बढ़ी चीन की चिंता, शांति की दी दुहाई

बीजिंग। हिंद महासागार में भारत, अमेरिका सहित 5 देशों की नौसेना सैन्य अभ्यास से चीन की चिंता बढ़ गई है और अक्सर आक्रामकता दिखाने वाला ड्रैगन शांति की दुहाई दे रहा है। चीन ने मंगलवार को कहा कि विभिन्न देशों के बीच सैन्य सहयोग क्षेत्रीय शांति के अनुकूल होना चाहिए। क्षेत्र में बढ़ती चीनी आक्रामकता के बीच हिंद महासागर में फ्रांस और भारत सहित क्वाड के अन्य सदस्यों के वृहद नौसेना अभ्यास में शामिल होने के एक दिन बाद चीन ने यह टिप्पणी की है। भारत और क्वाड के तीन अन्य सदस्यों अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने सोमवार को पूर्वी हिंद महासागर में फ्रांस के साथ तीन दिवसीय नौसेना अभ्यास शुरू किया। फ्रांस और क्वाड गठबंधन देशों के नौसेना अभ्यास के बारे में पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने मंगलवार को बीजिंग के इस रुख को दोहराया कि इस तरह का सहयोग क्षेत्र में शांति के लिए अनुकूल होना चाहिए। उन्होंने यहां मीडिया से बातचीत में कहा, 'मैंने इन रिपोर्टों को देखा है। हमारा हमेशा मानना रहा है कि देशों के बीच सैन्य सहयोग क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के अनुकूल होना चाहिए।' इस अभियान के दौरान भारतीय नौसेना के पोत और विमान फ्रांस, आस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के पोतों और विमानों के साथ समुद्र में अभ्यास करेंगे। पिछले कुछ वर्षों में भारत का अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया और फ्रांस की नौसेनाओं के साथ सहयोग बढ़ रहा है। भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने कहा कि यह अभ्यास मित्र नौसेनाओं के बीच उच्च स्तर के तालमेल, समन्वय आदि को प्रदर्शित करेगा। मधवाल ने कहा कि सैन्य अभ्यास में भारतीय नौसेना की भागीदारी मित्र नौसेनाओं के साथ साझा मूल्यों को दर्शाती है और समुद्र की स्वतंत्रता और खुले व समावेशी हिंद-प्रशांत और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

### नाइट कर्फ्यू तोड़ खरीद रहा था पानी, पुलिस ने जमकर कराई वर्जिश, शख्स की हो गई मौत

मनीला। कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए दुनिया के कई देशों में लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू जैसी पाबंदियों को लागू किया गया है। इनका उल्लंघन करने वालों को अलग-अलग तरीके से सजा भी दी जा रही है। लेकिन फिलीपींस में एक शख्स को नाइट कर्फ्यू तोड़कर दुकान में पानी खरीदने की कीमत जान देकर चुकानी पड़ी। पुलिस ने उससे इतनी वर्जिश कराई कि अगले दिन उसकी मौत हो गई। फिलीपींस की राजधानी मनीला के पास जनरल ट्रिआस सिटी में 28 साल के डारेन मैनाओग पेनारेडोंडो की 3 अप्रैल अप्रैल को मौत हो गई। दो दिन पहले ही उसे पुलिस ने शाम 6 बजे के बाद लागू कर्फ्यू के दौरान स्थानीय दुकान से पानी की बोतल खरीदते समय पकड़ लिया था। डारेन की पार्टनर रेचेलिन बैलेस ने कहा कि पेनारेडोंडो और कर्फ्यू तोड़ने वाले कुछ और लोगों को 100 बार उठक-बैठक करने को कहा गया। लेकिन यदि उनका तालमेल बिगड़ता था तो फिर से गिनती शुरू कर दी जाती थी। डारेन को करीब 300 बार उठक-बैठक करना पड़ा और अगली सुबह जब वह घर वापस आया तो चलने लायक नहीं था।

### जॉर्डन में प्रिंस हमजा और सेना प्रमुख के बीच की विस्फोटक बैठक की बातचीत रिकार्ड आया सामने

यरुशलम। जॉर्डन के राजनीतिक संकट पर मंगलवार को एक नई ऑडियो रिकार्डिंग सामने आई, जो इस बात का इशारा करती है कि अधिकारियों ने भीतरी आलोचकों के साथ बैठक करने को लेकर पूर्व क्राउन प्रिंस हमजा का मुंह बंद कराने का प्रयास किया। इस ऑडियो से यह दावा भी कमजोर हुआ है कि हमजा पश्चिम समर्थित शासन को अस्थिर करने के लिए विदेशी साजिश में शामिल थे। ऐसा जान पड़ता है कि इस ऑडियो में प्रिंस हमजा और सेना प्रमुख के बीच की विस्फोटक बैठक की बातचीत रिकार्ड किया गया है।

# जानें- क्या है रूस की भारत के प्रति दिलचस्पी की चार बड़ी वजह, रूसी विदेश मंत्री की यात्रा पर यूएस की पैनी नजर

**नई दिल्ली।(एजेंसी)।**

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव की भारत यात्रा कई मायने में उपयोगी है। उनकी इस यात्रा के कई निहितार्थ हैं। रूसी विदेश मंत्री की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत अपने सामरिक और रणनीतिक कारणों से अमेरिका के काफी निकट है। रूस और भारत के बीच रिश्तों में सब कुछ सामान्य नहीं है। हालांकि, शीत युद्ध के दौरान दोनों देशों के बीच मधुर संबंध रहे हैं। शीत युद्ध के दौरान रणनीतिक रूप से रूस, भारत का सहयोगी देश रहा है। उस वक्त कई मुश्किलों में रूस ने भारत का साथ दिया है। अब अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां पूरी तरह से बदल चुकी हैं। हाल में रूस और चीन रणनीतिक और सामरिक रूप से साझेदार बने हैं। उधर, सीमा विवाद के चलते चीन से भारत के तनावपूर्ण संबंध हैं। अंतरराष्ट्रीय परिदृष्य में दुनिया दो ध्रुवों में बंटती दिख रही है। एक खेमे में अमेरिका, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और ब्रिटेन हैं तो दूसरे में चीन, रूस, पाकिस्तान, तुर्की एवं ईरान है। क्वाड सम्मेलन के बाद अमेरिकी खेमे की नींव मजबूत हुई है। आइए जानते हैं कि लावारोव किस उम्मीद से भारत की यात्रा पर आए हैं। उनकी यात्रा के क्या निहितार्थ हैं। अमेरिका की इस यात्रा पर क्यों नजर होगी।

**1- क्वाड शिखर सम्मेलन के बाद चिंतित हुआ रूस :** प्रो. हर्ष पंत का कहना है कि हाल में क्वाड समूह के प्रतिनिधियों की बैठक और उसकी एकता देखकर रूस चौंकन्ना हुआ है। इस समूह के पहले शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हिस्सा लिया था। इस वर्चुअल बैठक में दक्षिण चीन सागर में चीन के दखल पर खुलकर चर्चा रही। क्वाड के प्रमुख चार देशों ने एक सुर में इसकी निंदा की। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने चीन की अक्रामकता की निंदा की थी और सहयोगी देशों से एकजुट होने की अपील की थी। क्वाड देशों की एकता चीन को ही नहीं रूस को भी अखरी है। चीन ने क्वाड बैठक के बाद इस पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया भी दी थी। रूस यह जानता है कि दक्षिण एशिया में भारत उसका प्रमुख और भरोसेमंद सहयोगी रहा है। दक्षिण एशिया की राजनीति में भारत का अहम रोल है। उन्होंने कहा कि मॉस्को यह भलीभांति जानता है कि दक्षिण एशिया की राजनीति में भारत की अनदेखी नहीं की जा सकती है। ऐसे में रूसी विदेश मंत्री इस बात को जरूर टटोलेंगे की भारत की अब नई रणनीति क्या है।

**2- एंटी मिसाइल सिस्टम एस-400 पर होगी नजर :** प्रो. पंत ने कहा कि शीत युद्ध के दौरान और उसके बाद भी रूस भारत का भरोसेमंद दोस्त था। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत अपने सैन्य-साजों समान का एक बड़ा हिस्सा रूस से खरीदता था। रूस की यह हिस्सेदारी 90 फीसद तक थी। भारत अभी भी 60 फीसद सैन्य साजों समान रूस से ही खरीदता है। अमेरिका के विरोध के बावजूद भारत और रूस के बीच एंटी मिसाइल सिस्टम एस-400 को लेकर बड़ी डील हुई है। हालांकि, इस रक्षा डील को लेकर अमेरिका ने भारत का जबरदस्त विरोध किया है। इसके बावजूद भारत अपने स्टैंड पर कायम है। इस बैठक में रूसी विदेश मंत्री भारत के रुख को भांपने की कोशिश करेंगे। दोनों देशों के बीच एस-400 पर वार्ता पर अमेरिका की भी पैनी नजर होगी।

**3- अफगान शांति वार्ता और तालिबान बड़ा फैक्टर:** शीत युद्ध की समाप्ति के बाद रूस की दिलचस्पी अफगानिस्तान में भले ही कम हो गई हो, लेकिन मध्य एशिया में उसके हित अभी भी बरकरार है। इसलिए शांति वार्ता के जरिए वह मध्य एशिया में अपने हितों को साधने में जुटा है। मध्य एशिया का इलाका रूस के लिए रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा के नजरिए से काफी अहम और उपयोगी है। रूस के लिए मध्य एशिया में शांति और स्थिरता के लिए अफगान में शांति बहाली बेहद जरूरी है। भारत उन मुल्कों में शामिल है, जो अफगान शांति वार्ता का अहम हिस्सा है। हाल में रूस पर यह आरोप लगाए गए थे कि रूस, भारत को इस शांति वार्ता में शामिल करने के लिए राजी नहीं है। हालांकि, बाद में रूस ने इसका खंडन किया था। ऐसे में रूस शांति वार्ता में भारत के दृष्टिकोण को भी समझना चाहेगा। खासकर तब जब रूस तालिबान का समर्थक रहा है और भारत इसका घोर विरोधी। इसलिए वह तालिबान के प्रति भारत के दृष्टिकोण को समझने की कोशिश करेगा।

**4- संबंधों को सामान्य करने पर रहेगा जोर :** गत वर्ष भारत और रूस के बीच होने वाली सलाना शिखर बैठक का आयोजन नहीं किया गया था। उस वक्त दोनों देशों के बीच रिश्तों में थोड़ा खिंचाव था। चीन सीमा विवाद पर भी रूस की चुप्पी से इन संबंधों में शिथिलता आई थी। उधर, अमेरिका और अन्य यूरोपीय देशों ने इस मामले में चीन की निंदा की थी। उस वक्त भारत को रूस के समर्थन की जरूरत थी, लेकिन रूस ने अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। हाल के दिनों में रूस का झुकाव चीन की ओर रहा है। इतना ही नहीं रूस भारत की चिंताओं को दरकिनार कर पाकिस्तान के साथ सैन्य अभ्यास करने में लगा है। दोनों देशों के बीच सैन्य अभ्यास 2020 में हुआ था। अब जबकि अफगानिस्तान में पाकिस्तान समर्थक तालिबान की सत्ता में वापसी की गुंजाइस बन रही है तब रूस, पाकिस्तान के साथ करीबी रिश्ता बनाने को इच्छुक है।

## कोरोना वैक्सीन लगाने में पाकिस्तान की रफ्तार बेहद धीमी, 75 फीसदी जनता का टीकाकरण में लगेंगे 10 साल

**इस्लामाबाद। (एजेंसी)।**

दुनिया के कई देशों में कोरोना वायरस के मामले फिर से तेजी से बढ़ने लगे हैं। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी कोविड-19 की रफ्तार बढ़ने लगी है। रोजाना कई लोग बीमारी से संक्रमित हो रहे हैं। ऐसे में टीकाकरण अभियान भी चलाया जा रहा है। लेकिन एक रिपोर्ट में ऐसा दावा किया गया है जो सरकार के वैक्सीनेशन कैंपेन पर सवाल खड़े करता है। दरअसल, रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस रफ्तार से पाकिस्तान में कोरोना का टीका लगाया जा रहा है, वही गति आगे भी जारी रही तो देश की 75 फीसदी आबादी को वैक्सीन लगाने में एक दशक से भी ज्यादा का समय लग जाएगा। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अन्य डेवलपिंग देशों में कोरोना टीकाकरण की रफ्तार पाकिस्तान की गति से काफी अधिक है।

अरब न्यूज ने ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि अमेरिका, ब्रिटेन और इजरायल जैसे देश महज तीन महीने में 75 फीसदी जनता का टीकाकरण करने में सफल होंगे, जबकि पाकिस्तान को इतनी ही आबादी को टीका लगाने के लिए दस साल की जरूरत होगी। रिपोर्ट के अनुसार, भारत को वैक्सीनेशन के जरिए से तीन साल में ही हर्ड इम्युनिटी हासिल हो सकती है। यह रिपोर्ट उस समय सामने आई है, जब पिछले कुछ समय में पाकिस्तान में कोरोना के केस काफी तेजी से बढ़े हैं। इसके चलते सरकार को लॉकडाउन समेत कई अहम फैसले लेने पड़े हैं।

नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर (एसओएसी) के चेयरमैन असद उमर ने ट्वीट कर बताया, 'पाबंदियों को बढ़ाया गया है, लॉकडाउन, एसओपी को लागू किया गया है ताकि कोविड मामलों में रोकथाम की जा सके। कृपया एसओपी का पालन करते रहें और सुरक्षित रहें।' वहीं, हालिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि एक साल में ही जर्मनी, फ्रांस में वैक्सीनेशन के जरिए हर्ड इम्युनिटी आ जाएगी।

बता दें कि पाकिस्तान में पिछले 24 घंटों में 3953 नए मामले सामने आए हैं। देश में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 696,184 हो गई है। उधर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी की तीसरी लहर पिछली दो लहर की तुलना में कहीं अधिक खतरनाक होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि लोगों ने दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया तो उनकी सरकार सख्त पाबंदियां लगाने को मजबूर हो जाएगी। खान ने सीधे प्रसारण वाले एक प्रश्नोत्तर सत्र में शामिल होने से पहले राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में यह कहा। हाल के महीनों में लोगों के साथ इस तरह का यह दूसरा संवाद था।

## पाकिस्तान ने 50,000 टन चीनी आयात के लिये वैश्विक निविदा जारी की

**इस्लामाबाद/नयी दिल्ली।(एजेंसी)।**

पाकिस्तान की सरकारी ट्रेडिंग कंपनी टीसीपी ने सोमवार को 50,000 टन सफेद चीनी के आयात के लिये वैश्विक निविदा जारी की है।लेकिन यह आयात भारत जैसे 'प्रतिबंधित' देशों से नहीं किया जा सकता। भारत के चीनी उद्योग ने इस कदम को पड़ोसी देश के लिये 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार दिया। यह ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ पकिस्तान (टीसीपी) की तीसरी निविदा है जो जारी की गई है। इससे पहले, ऊंचे मूल्य की बोली की वजह से 50,000-50,000 टन की दो निविदाओं को रद्द कर दिया गया था। पाकिस्तान में चीनी उत्पादन कम हुआ है। ऐसे में वह घरेलू उपलब्धता बढ़ाने तथा खुदरा मूल्य पर अंकुश लगाने के लिये चीनी आयात का प्रयास कर रहा है। पाकिस्तान में चीनी का मूल्य 100 पीकेआर (पाकिस्तानी रुपया) पहुंच गया है। पिछले सप्ताह, पाकिस्तान की आर्थिक समन्वय समिति द्वारा भारत से चीनी और कपास के आयात की अनुमति देने के बाद, अचानक से दोनों देशों के बीच व्यापार शुरू होने की उम्मीद जगी थी। हालांकि, बाद में पाकिस्तान के मंत्रिमंडल ने इस निर्णय को पलट दिया। टीसीपी ने 50,000 टन चीनी के आयात के लिये निविदा जारी करते हुए यह साफ किया है कि सफेद चीनी का आयात इस्राइल या अन्य किसी प्रतिबंधित देश से नहीं होना चाहिए। वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं को 14 अप्रैल तक बोली जमा करने को कहा गया है। चीनी की आपूर्ति कराची बंदरगाह पर करनी होगी। इस बारे में 'ऑल इंडिया शुगर ट्रेड एसोसएिशन (एआईएसटीए) के चेयरमैन प्रफुल्ल विठलानी ने कहा, ''यह पाकिस्तान के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। क्या आपको भारतीय चीनी के समरूप गुणवत्ता, कीमत और तेजी से आपूर्ति के साथ चीनी मिलेगी?'' उन्होंने पीटीआई-से कहा कि पाकिस्तान के लिये भारत से चीनी अयात करना अधिक सस्ता और आसान होता।

## अमेरिकी कोर्ट ने आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर सुनवाई 24 जून तक टाली

**वाशिंगटन।(एजेंसी)।**

अमेरिका की एक अदालत ने पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी और 2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमले में वांछित तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण की सुनवाई 24 जून तक के लिए टाल दी है। इस मामले पर पहले 22 अप्रैल को सुनवाई होनी थी। लॉस एंजिलिस में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की जज जैकलिन चुलजियान ने सोमवार को अपने आदेश में 59 वर्षीय राणा की भारत प्रत्यर्पण से संबंधित मामले की सुनवाई 24 जून तक टाल दी।

राणा के वकीलों और अमेरिका सरकार की ओर से पेश हुए वकीलों के बीच विचार-विमर्श के बाद अदालत का यह आदेश आया। दोनों पक्ष 24 जून को स्थानीय समयानुसार अपराह्न डेढ़ बजे तक राणा के प्रत्यर्पण को लेकर सुनवाई टालने पर सहमत हुए। इस बीच राणा के वकील ने एक अलग अर्जी में राणा के भारत प्रत्यर्पण का विरोध किया। अमेरिका सरकार के पास मामले में जवाब देने के लिए 12 अप्रैल तक का समय है। अमेरिका सरकार ने राणा के भारत प्रत्यर्पण का अब तक समर्थन किया है। राणा डेविड कोलमैन हेडली का बचपन का दोस्त है। भारत के अनुरोध पर राणा को मुंबई आतंकवादी हमले में संलिप्तता के आरोप में लॉस एंजिलिस में 10 जून को फिर से गिरफ्तार किया गया था। इस हमले में छह अमेरिकी नागरिकों समेत 166 लोग मारे गये थे। भारत ने उसे भगोड़ा घोषित किया है।

पाकिस्तानी मूल का अमेरिकी नागरिक लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी हेडली 2008 के मुंबई हमलों की साजिश रचने में शामिल था। वह मामले में गवाह बन गया था और वर्तमान में हमले में अपनी भूमिका के लिए अमेरिका में 35 साल जेल की सजा काट रहा है। भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के मुताबिक, भारत सरकार ने राणा के औपचारिक प्रत्यर्पण का अनुरोध किया है और अमेरिका ने प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अमेरिका सरकार ने दलील दी है कि भारत प्रत्यर्पण के लिए राणा सभी मापदंडों को पूरा करता है।

## पुतिन को दो और कार्यकाल दिलाने की संभावना वाले कानून पर रूसी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर

**मास्को।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को उस कानून पर हस्ताक्षर किए जो उन्हें 2036 तक राष्ट्रपति पद की दौड़ में बने रहने की योग्यता प्रदान करता है। इस कदम के जरिए पिछले साल संवैधानिक बदलाव के लिए हुए मतदान में प्राप्त समर्थन को औपचारिक रूप दिया गया। पिछले साल एक जुलाई को हुए संवैधानिक मतदान में एक ऐसा प्रावधान भी शामिल था जो पुतिन को दो और बार राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होने की अनुमति प्रदान करता है। पुतिन द्वारा हस्ताक्षर किए गए संबंधित कानून की जानकारी आधिकारिक वेबसाइट पर साझा की गयी। दो दशकों से भी अधिक समय तक सत्ता पर काबिज रहने वाले 68 वर्षीय पुतिन ने कहा कि वह 2024 में अपना वर्तमान कार्यकाल समाप्त होने के बाद इस बारे में विचार करेंगे कि उन्हें राष्ट्रपति पद के लिए दोबारा मैदान में उतरना है या नहीं।

## विश्व बैंक ने की भारत की तारीफ! कोरोना वायरस की वैक्सीन पर आया बयान

**वाशिंगटन।** विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मालपास ने कहा कि भारत सौभाग्यशाली है कि उसके पास सीरम इंस्टीट्यूट जैसा वैश्विक टीकों का एक बड़ा निर्माता है और कहा कि वह घरेलू टीकाकरण कार्यक्रम में तेजी लाने के देश के प्रयासों से प्रोत्साहित होते हैं। मालपास ने ये टिप्पणियां अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की आगामी बैठक से पहले मीडिया से चर्चा के दौरान सोमवार को की। उन्होंने कहा, 'मेरा सीरम इंस्टीट्यूट के साथ काफी संपर्क रहा है। भारत का सौभाग्य है कि देश में वैश्विक टीकों का एक बड़ा निर्माता है।'' एक प्रश्न के जवाब में, मालपास ने कहा कि उन्होंने स्थानीय निर्माण के लिए राष्ट्रीय जरूरतों और विश्व भर में अन्य देशों को पहुंचाई जाने वाली सहायता के लिहाज से अधिक पारदर्शिता को बढ़ावा दिया है। मालपास ने कहा, 'यह साफ नहीं है कि अमेरिका या यूरोप में, या दक्षिण अफ्रीका में, या भारत में स्थानीय मांगों की आपूर्ति के लिए स्थानीय उत्पादन की क्या जरूरतें हैं। मैं भारत द्वारा उनके घरेलू टीकाकरण कार्यक्रम में तेजी लाने से प्रोत्साहित हूं और हम इस पर उनके साथ काम कर रहे हैं।फ्र उन्होंने कहा, 'क्योंकि क्षमता संबंधी अवरोध बहुत ज्यादा हैं, इसलिए हम जो टीकाकरण अभियान चला रहे हैं उसके स्तर को बढ़ाने के लिए बहुत लोगों की जरूरत पड़ती है।' स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया भारत ने शुक्रवार तक कुल 7,06,18,026 कोविड रोधी टीके की खुराकें दी हैं। मालपास ने कहा कि यह महत्वपूर्ण एवं आवश्यक है कि विकासशील देशों को टीकों की जल्द आपूर्ति हो क्योंकि टीकाकरण में, असल में, बहुत ज्यादा समय लगता है।

# गावी प्रमुख ने कहा- कोरोना संक्रमण के चलते दूसरे देशों को टीके की आपूर्ति कम कर सकता है भारत

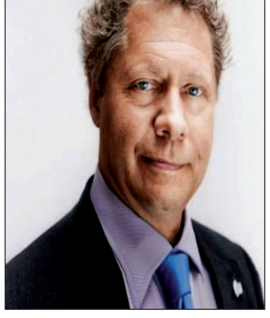

**वाशिंगटन। (एजेंसी)।**

देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारत अब दूसरे देशों को वैक्सीन की सप्लाई कम कर सकता है। यह बात ग्लोबल अलायंस फॉर वैक्सीन्स एंड इम्युनाइजेशन (गावी) के प्रमुख सेठ बर्कले ने कही है। गावी ने यह आशंका भारत में पिछले कुछ दिनों में बढ़ रहे कोरोना केसों को लेकर जताई है। भारत में पहली बार सोमवार को एक दिन में एक लाख से ज्यादा नए कोरोना के मामले सामने आए।

**भारत 80 से ज्यादा देशों को 6.45 करोड़ वैक्सीन की डोज सप्लाई कर चुका**

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारत अब तक 80 से ज्यादा देशों को करीब 6.45 करोड़ वैक्सीन की डोज सप्लाई कर चुका है। बता दें कि गावी एक पब्लिक-प्राइवेट साझेदारी के तहत किया गया एक गठबंधन है जो विकासशील देशों को वैक्सीन पहुंचाने का काम करता है।

**भारत विकासशील देशों को वैक्सीन सप्लाई करने के मामले में पहले स्थान पर**

गावी के सीईओ सेठ बर्कले ने एक इंटरव्यू में कहा, 'भारत विकासशील देशों को वैक्सीन सप्लाई करने के मामले में पहले स्थान पर है। भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के कारण, भारत सरकार ने अपने टीकाकरण अभियान को तेज किया है और इसका मतलब है कि उन्हें अधिक डोज की जरूरत होगी। इसका सीधा असर दुनियाभर के देशों को मिलने वाली वैक्सीन पर पड़ेगा।

**स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन गावी बोर्ड के नामित सदस्य**

पिछले वर्ष दिसंबर में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन को भी गावी के बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। सेठ बर्कले ने आगे कहा, हमें उम्मीद थी कि मार्च-अप्रैल तक करीब 9 करोड़ वैक्सीन की डोज (भारत से) मिल जाएगी, लेकिन अब इसमें कमी आएगी।

**गावी के सीईओ बर्कले ने कहा- सभी लोगों तक वैक्सीन पहुंचना सबसे बड़ी चुनौती**

बर्कले ने कहा, 'अभी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लोगों तक वैक्सीन पहुंचे। अमीर देशों ने अपनी बड़ी आबादी को वैक्सीन लगाना शुरू कर दिया है। हमें उम्मीद है कि वे बाकी दुनिया को भी अपनी वैक्सीन उपलब्ध कराएंगे। वे उन वैक्सीन को भी दे सकते हैं, जिसका वे इस्तेमाल नहीं करने वाले हैं। जैसे अमेरिका में सिर्फ मॉडर्ना, फाइजर और जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन नहीं है, बल्कि वहां उसके पास नोवावैक्स और एस्ट्राजेनेका भी उपलब्ध है।'

## संपादकीय

# संक्रमण का शिकंजा

यह बेहद चिंता और अफसोस की बात है, तमाम सावधानियों और दिशा-निर्देशों के बावजूद भारत ने कोरोना संक्रमण के मामले में अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। कोरोना की दूसरी लहर में रविवार रात तक 24 घंटों के दौरान मिले संक्रमण के मामले 1,03,764 तक पहुंच गए। प्रतिदिन के कुल मामलों में करीब दस-दस हजार की वृद्धि हो रही है, इससे संक्रमण के बढ़ते खतरे का अंदाजा लगाया जा सकता है। अभी ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, 9 फरवरी को दैनिक मामले 11 हजार तक गिर गए थे। ऐसा लगने लगा था कि कोरोना का बुरा दौर बीत गया। सबसे बुरा दौर 10 सितंबर के आसपास दर्ज हुआ था, जब रोजाना के मामले करीब 98 हजार तक पहुंचने लगे थे। महामारी की शुरुआत के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब देश में एक दिन के अंदर कोरोना के एक लाख से ज्यादा मामले आए हैं। दुनिया में इसके पहले केवल अमेरिका ही एक ऐसा देश है, जहां एक दिन में एक लाख से ज्यादा मामले सामने आए थे। अब अमेरिका में जहां प्रतिदिन 70 हजार के करीब मामले आ रहे हैं, वहीं भारत एक लाख के पार पहुंच गया है। अगर यही रफ्तार रही, तो अप्रैल घातक सिद्ध होगा। भारत चूंकि अमेरिका की तुलना में चार गुना से ज्यादा आबादी वाला देश है, इसलिए आंकड़े कहां जाकर दम लेंगे, सोचना भी भयावह है। कोई आश्चर्य नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ते कोरोना मामलों को देखते हुए एक उच्च स्तरीय बैठक की है। कोरोना पर नियंत्रण पाने के लिए लोगों में जागरूकता और लोगों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। अब केंद्र सरकार अगर बढ़ते मामलों और मौतों को देखते हुए महाराष्ट्र, पंजाब और छत्तीसगढ़ में केंद्रीय टीमें भेज रही है, तो यह जरूरी कदम है। कोरोना के खिलाफ अपनाए जाने वाले उपायों को और मजबूत करने व इन्हें बेहतर तरीके से लागू करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। यह मान लेने में कोई हर्ज नहीं है कि महाराष्ट्र, पंजाब, छत्तीसगढ़ व अन्य राज्यों में कोरोना दिशा-निर्देशों की अवहेलना हुई है, जिसका खामियाजा ये प्रदेश भुगत रहे हैं। इन तीनों राज्यों और खासकर महाराष्ट्र में लॉकडाउन जैसी स्थिति है। कई राज्यों ने अपने यहां प्रवेश करने वालों के लिए कोरोना जांच को अनिवार्य बनाया है, पर व्यावहारिक रूप से देख लेना चाहिए कि क्या वाकई आदेशों की पालना हो रही है? क्या हमने हवाई अड्डों पर कोरोना जांच की व्यवस्था को सोलह आना दुरुस्त कर लिया है? जहां एक ओर, सरकार को नए सिरे से जागना होगा, तो वहीं दूसरी ओर, विशेषज्ञों को कोरोना की उछाल के वैज्ञानिक कारणों की पड़ताल भी करनी पड़ेगी। लोगों के बीच कई तरह की भ्रांतियां फैलने लगी हैं। लोगों को इस खतरे के प्रति पूरी तरह सूचित व सचेत करना होगा। सरकार के कोविड-19 टास्क फोर्स के शीर्ष सदस्य डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने बताया है कि म्यूटेंड स्ट्रेन्स मामलों में आने वाले उछाल का एक बड़ा कारण है। उन्होंने कुछ सुझाव भी साझा किए हैं, जिनमें कंटेनमेंट जोन बनाना, लॉकडाउन, जांच, खोज और क्वारंटीन करना शामिल है। आशंका है, सरकार को लॉकडाउन जैसी कड़ाई के लिए मजबूर होना पड़ेगा। क्या एक और लॉकडाउन झेलने की स्थिति में यह देश है? इसलिए सही राह यही है कि बचाव के प्रति लोग सजग हों और प्रशासन अपने स्तर पर उनको दंडित भी करे, जो अभी जागे नहीं हैं।

## आज के ट्वीट

### प्रोटोकॉल की पालना

**कोरोना वायरस से संक्रमण के मुकाबले की भावना से काम करते हुए हमें सख्ती के साथ-साथ प्यार और समझाइश से जन अभियान की तर्ज पर हैल्थ प्रोटोकॉल की पालना करवानी है :**

**-- सीएम अशोक गहलोत**

# ताऊ और तीसरी धारा की राजनीति

**राजकुमार सिंह**

भारतीय राजनीति में ताऊ के संबोधन से लोकप्रिय चौधरी देवीलाल के निधन को आज बीस साल हो गये। इक्कीसवीं शताब्दी के ये शुरुआती दो दशक भारतीय राजनीति में परिवर्तनकारी कालखंड भी हैं। 6 अप्रैल, 2001 को जब देवीलाल का निधन हुआ, केंद्र में अटलबिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भाजपानीत राजग सरकार थी तो हरियाणा में खुद देवीलाल के पुत्र ओमप्रकाश चौटाला की सरकार। आज भी केंद्र में तो भाजपा को अकेलेदम स्पष्ट बहुमत वाली नरेंद्र मोदी की भाजपानीत राजग सरकार है, पर हरियाणा में परिदृश्य बदल गया है। दशकों भाजपा देवीलाल की उंगली पकड़ कर राजनीति करती रही, सत्ता में साझीदार भी रही, लेकिन अब राज्य में मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व वाली भाजपानीत सरकार में देवीलाल के पड़पोते दुष्यंत चौटाला और उनकी पार्टी जजपा की हैसियत जूनियर पार्टनर की है। दरअसल यह परिदृश्य तो बदलाव का संकेतक भर है, क्योंकि बदल बहुत कुछ गया है। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस अपने ऐतिहासिक पराभव से गुजर रही है तो भाजपा का राजनीतिक ग्राफ लगभग चरम पर है। कांग्रेस से राजनीति शुरू कर गैर कांग्रेसी राजनीति के बड़े क्षेत्रीय चेहरे बने किसान नेता देवीलाल की कांग्रेस के पराभव में भूमिका नकारी नहीं जा सकती, लेकिन उसका लाभ प्रदेश से लेकर देश तक भाजपा को ही मिला, जबकि देवीलाल जिस लोकदली-समाजवादी राजनीति का प्रतिनिधित्व करते थे, वह लगभग हाशिये पर चली गयी। आपातकाल से कांग्रेस के पराभव की शुरुआत मान लें, तो निश्चय ही 1977 से 98 तक राष्ट्रीय राजनीति और उसके भी बाद तक क्षेत्रीय राजनीति लोकदली-समाजवादी पृष्ठभूमि वाली तीसरी धारा के इर्दगिर्द घूमती रही। उस राजनीतिक उथल-पुथल के दौर में भाजपा की भूमिका अक्सर महत्वपूर्ण सहयोगी की ही रही, लेकिन दोनों में एक बड़ा फर्क भी रहा। लोकदली-समाजवादी राजनीति के क्षत्रप परस्पर कलह और सत्ता संघर्ष में अपनी ऊर्जा और समय ज्यादा गंवाते रहे, जबकि अपनी विचारधारा और लक्ष्य के साथ भाजपा चुपचाप अपने मिशन में जुटी रही। खासकर 1996 में 13 दिन की वाजपेयी सरकार के अपमानजनक अनुभव के बाद तो भाजपा ने केंद्रीय सत्ता के साथ-साथ राष्ट्रव्यापी विस्तार को ही एकमात्र लक्ष्य बना लिया। 1996 से 98 के बीच केंद्र में बनीं एचडी देवगौड़ा और इंद्र कुमार गुजराल सरकार तो वस्तुतः भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस की जेबी सरकारें ही थीं, लेकिन 1977 और 1989 में बनीं गैर कांग्रेसी सरकारें व्यवस्था परिवर्तन के लिए स्पष्ट जनादेश का परिणाम थीं, जिन्हें क्षत्रपों का आपसी सत्ता संघर्ष ही ले डूबा। मेरा मानना है कि दोनों बार ये गैर कांग्रेसी सरकारें पूर्व कांग्रेसियों की सत्ता लालसा और उसके लिए रची गयी साजिशों की शिकार हुईं। आपातकाल के विरुद्ध लंबे संघर्ष से जन्मी जनता पार्टी को मतदाताओं ने वैकल्पिक सरकार बनाने के लिए जनादेश दिया था, लेकिन पुराने कांग्रेसी मोरारजी भाई देसाई और हवा का रुख भांप कर चुनाव के वक्त कांग्रेस से बगावत करने वाले बाबू जगजीवन राम प्रधानमंत्री पद के दावेदार बन गये। वरिष्ठता के नाते देसाई के नाम पर सहमति भी बन गयी और सरकार भी, लेकिन उत्तर भारत के सबसे बड़े जनाधार वाले नेता चौधरी चरण सिंह को किनारे करने के लिए पूर्व कांग्रेसियों के कुचक्र नहीं रुके, जिसकी अंतिम परिणति जनता पार्टी के विभाजन में हुई और अवसर का लाभ उठा कर कांग्रेस मध्यावधि चुनाव का मार्ग प्रशस्त करने में सफल हो गयी। जनता की आशाएं जब निराशा में बदलती हैं तो प्रतिक्रिया बहुत तल्ख होती है। जिन इंदिरा गांधी और कांग्रेस के भविष्य पर सवालिया निशान लगाये जाने लगे थे, वही 1980 में केंद्रीय सत्ता में लौट आये। लंबे संघर्ष के बाद देवीलाल को भी सत्ता तभी 1977 में नसीब हुई थी, जो पूर्व कांग्रेसी भजनलाल की चालों के चलते ज्यादा दिन नहीं चल पायी। 1989 की गैर कांग्रेसी सरकार राजीव गांधी के विरुद्ध बोफोर्स के आरोपों से उठे बवंडर में विपक्षी एकता से जन्मी थी। परस्पर कलह में ही खंड-खंड हुए लोकदली-समाजवादी धारा के सभी दल जनता दल के नाम से एक बार फिर एकत्रित हुए, पर नेतृत्व स्वीकार कर लिया बोफोर्स के आरोप लगा कर कांग्रेस से बगावत करने वाले राजा विश्वनाथ प्रताप सिंह का। उत्तर भारतीय दलों का जमावड़ा जनता दल अकेले कांग्रेस का विकल्प बनने में सक्षम नहीं था, सो क्षेत्रीय दलों को साथ लेकर राष्ट्रीय मोर्चा बनाना पड़ा। फिर भी केंद्र में सरकार बनाने के लिए भाजपा और वाम मोर्चा के बाहरी समर्थन की जरूरत पड़ी। वह भारतीय राजनीति की अनूठी घटना थी, जब दक्षिणपंथी भाजपा और वामपंथी दलों ने केंद्र में किसी सरकार को एक साथ बाहर से समर्थन दिया। बेशक रक्षा सौदों में दलाली के आरोप लगा कर राजीव गांधी सरकार और कांग्रेस से बाहर निकले राजा अचानक नायक बन गये। उसमें मीडिया और अक्सर परिवर्तन को व्याकुल मध्यम वर्ग की भी बड़ी भूमिका थी, लेकिन राजनीतिक ढांचा और जनाधार तो लोकदल और जनता पार्टी जैसे दलों के पास ही था। लोकदली-समाजवादी नेताओं में परस्पर अहं का टकराव था, जिसका लाभ राजा ने उठाया। इसी टकराव का लाभ उठा कर राजा अंततः प्रधानमंत्री भी बन गये। संसदीय दल की बैठक में नेता चुन लिये जाने के बावजूद देवीलाल द्वारा राजा को प्रधानमंत्री पद के लिए आगे कर देना ताऊ का त्याग भी माना जा सकता है, पर उसके बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री पद पर उनके पुत्र ओमप्रकाश चौटाला की ताजपोशी के लिए महम कांड समेत जो कुछ हुआ, उससे उनकी साख पर आंच ही आयी। चौटाला ज्यादा समय तक मुख्यमंत्री पद नहीं संभाल पाये और बार-बार बदलते मुख्यमंत्रियों से इन संदेह और सवालों को ही बल मिला कि क्या ताऊ ने हरियाणा की सत्ता के एवज में प्रधानमंत्री के बजाय उपप्रधानमंत्री बनना पसंद किया था? वक्त की विडंबना देखिए कि जिन राजा के पक्ष में चंद्रशेखर को प्रधानमंत्री पद से वंचित करने के लिए ताऊ ने त्याग किया था, उन्होंने ही उन्हें उपप्रधानमंत्री पद से बर्खास्त किया। यही नहीं, जनता दल विभाजन के चलते चंद्रशेखर सरकार में भी देवीलाल को उपप्रधानमंत्री ही बनना पड़ा। हां, इस बीच वह अपने पुराने नेता चौधरी चरण सिंह, जिनके प्रति प्रतिद्वंद्विता का भाव भी उनमें कई बार दिखा ही, के पुत्र अजित सिंह की घेराबंदी में सफल रहे। उत्तर प्रदेश में उन्होंने राजा की मदद से अजित के मुकाबले मुलायम सिंह यादव को मुख्यमंत्री बनवा दिया तो बिहार में भी लालू यादव की ताजपोशी करवा कर चरण सिंह की राजनीतिक विरासत हासिल करने का दांव चला। जनता दल के नाकाम प्रयोग पर कहा जा सकता है कि क्षत्रप एक-दूसरे से हिसाब-किताब चुकता करने में सफल रहे, लेकिन अंतिम परिणति तो खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने के रूप में ही सामने आयी। देवीलाल-चौटाला की तरह मुलायम को भी यह संतोष रहा कि आखिर चरण सिंह सरीखे दिग्गज के राजनीतिक वारिस को हाशिये पर धकेल दिया, पर अंत में खुद कहां पहुंचे? यही भ्रम लालू को रहा कि विश्वनाथ प्रताप और देवीलाल की मदद से पुराने लोकदली-समाजवादी दिग्गजों ही नहीं, रामविलास पासवान-नीतिश कुमार सरीखे नये खिलाड़ियों को भी धता बता कर बिहार पर एकछत्र राज कायम कर लिया, पर अंतिम परिणति क्या हुई? देश भर में एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस के विरुद्ध छोटी-छोटी शुरुआत कर प्रदेश और देशव्यापी बदलाव लाने वाले ये क्षत्रप भूल गये कि उनकी असल ताकत आपसी एकता में है। राम मनोहर लोहिया और चरण सिंह सरीखे गैर कांग्रेसवाद के शिल्पकारों ने बड़ी मेहनत से उत्तर भारत में कांग्रेस का कारगर विकल्प तैयार किया था-- वह भी वैकल्पिक रीति-नीति के साथ, लेकिन छोटे नेताओं की बड़ी महत्वाकांक्षाओं ने अपने उसी घर को स्वाहा कर दिया। एक समय था, जब उत्तर भारत ही नहीं, ओडिशा तक में चरण सिंह, देवीलाल, कुंभाराम आर्य, नाथूराम मिर्धा, कर्पूरी ठाकुर और बीजू पटनायक की एकजुटता वाला दल, कांग्रेस का विकल्प और सत्ता का दावेदार होता था, पर आज नवीन पटनायक इकलौते अपवाद बचे हैं। बाकी सब इतिहास की बातें हैं। बेशक इस बीच नेताओं की पीढ़ी बदली है और राजनीतिक शैली भी, लेकिन ज्यादा चिंताजनक बदलाव संस्कार और सरोकारों का है, जो सत्ता के खेल तक सिमट कर रह गये हैं। लोकदली-समाजवादी राजनीति के कांग्रेस का विकल्प बनने का विश्लेषण करें या फिर पिछले दो-ढाई दशक में भाजपा द्वारा निर्णायक रूप से कांग्रेस की जगह ले लिये जाने का, निष्कर्ष साफ है ः लंबी राजनीति वैचारिक स्पष्टता और सामाजिक-आर्थिक प्रतिबद्धता के साथ सतत संघर्ष मांगती है। संयोगवश आज ही भाजपा का स्थापना दिवस भी है।

## ज्ञान गंगा

### क्या चुनें?

आचार्य रजनीश ओशो/ मेरे पास चुनने के लिए एक ऊंचे वेतन वाली नौकरी है और दूसरी तरफ वो काम है जो मुझे वास्तव में पसन्द है पर जहां वेतन ज्यादा नहीं है। तो इन दोनों में मैं किसे चुनूं? आप की लायकी या कीमत क्या है यह सिर्फ इस दृष्टि से नहीं आंकना चाहिए कि आप कितना कमा रहे हैं। आप को क्या जिम्मेदारी दी गई है, इस दृष्टि से इसका आकलन होना चाहिए। आप कितना कमा रहे हैं, यह विशेष बात नहीं है। विशेष बात यह है कि आप को कुछ नया बनाने, निर्माण करने की स्वतंत्रता है। धन हमारे जीवन का साधन है अतः इस दृष्टि से आवश्यक है लेकिन आप को अपना मूल्यांकन हमेशा इस दृष्टि से करना चाहिए कि आप को क्या करने के लिए कहा गया है, किस स्तर की जिम्मेदारी आप को दी जा रही है? कुछ खास, कुछ ऐसा जो वास्तविक रूप से कीमती है, स्वयं अपने लिए और अपने आसपास के सभी लोगों के लिए निर्माण करने का कितना अवसर आप को उपलब्ध है? इस संसार में आप जो कुछ भी काम करते हैं वह सही रूप से तभी कुछ विशेष है, कीमती है जब आप अन्य लोगों के जीवन पर गहराई से कुछ अच्छा असर डालते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप एक फिल्म बना रहे हैं तो क्या आप ऐसी फिल्म बनाना चाहेंगे जो कोई देखना ही न चाहे? क्या आप ऐसा मकान बनाना चाहेंगे जिसमें कोई रहना ही न चाहे? आप ऐसा कुछ भी बनाना नहीं चाहेंगे, जिसका कोई दूसरा उपयोग ही न करना चाहे क्योंकि किसी न किसी अर्थ में आप दूसरों के लिए कुछ अच्छा करना चाहते हैं। यदि आप ध्यानपूर्वक देखें तो आप ऐसा काम करना चाहते हैं, जिससे लोगों के जीवन पर अच्छा असर पड़े। कई लोग अपना जीवन कामकाज और परिवार के बीच बांट लेते हैं, उनके लिए कामकाज सिर्फ धन कमाने के लिए है और परिवार ऐसी जगह है जहां वे दूसरों के जीवन पर असर डालते हैं, लेकिन यह भाग सिर्फ परिवार तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह जीवन के प्रत्येक भाग के लिए होना चाहिए। आप कछ भी करें, उससे लोगों के जीवन पर अच्छा असर पड़ना चाहिए, यही सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। आप कितनी गहराई से दूसरों के जीवन को छूते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप जो कुछ कर रहे हैं, उसमें किस हद तक आप की भागीदारी है। अगर आप अंदर तक गहरे उतरे हैं तो स्वाभाविक रूप से आप जिस तरह से काम करते हैं, वह अलग ही होगा और आप को आप की योग्यता के अनुसार पैसा मिलेगा।

# स्वास्थ्य के क्षेत्र में अहम शख्सियत बनकर उभरे डॉ. हर्षवर्धन

**- नीति गोपेन्द्र भट्ट**

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन स्वास्थ्य के क्षेत्र में अहम शख्सियत बनकर उभर रहे हैं। पिछले वर्ष मई माह में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के कार्यकारी बोर्ड के अध्यक्ष बनने के बाद डॉ. हर्षवर्धन को हाल ही में 'स्टॉप टीबी पार्टरशिप बोर्ड' नामक ग्लोबल संस्था का तीन वर्षों के लिए अध्यक्ष बनाया गया है। उन्हें इस पद पर भारत द्वारा वर्ष 2025 तक देश को टीबी से मुक्त कराने की प्रतिबद्धता दर्शाने के फलस्वरूप नियुक्त किया गया है। इससे पहले पिछले वर्ष दिसम्बर में डॉ. हर्षवर्धन को 'वैक्सीन और टीकाकरण के लिए ग्लोबल एलायंस' (गावी) का भी तीन वर्षों के लिए सदस्य बनाया गया है। डॉ. हर्षवर्धन का विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के कार्यकारी बोर्ड अध्यक्ष के रूप में एक वर्ष का कार्यकाल आगामी माह मई में पूरा हो जाएगा लेकिन वे वर्ष 2023 तक विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के इस कार्यकारी बोर्ड के सदस्य बने रहेंगे। इन सभी नए दायित्वों के बाद डॉ. हर्षवर्धन के कन्धों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। वे ऐसे समय इन सभी महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हुए हैं जब सारा विश्व कोविड-19 की वैश्विक महामारी के दौर से गुजर रहा है। देश-दुनिया में हालात सुधरने के बाद पुनः विकट हो रहे हैं। कोरोना से मुक्ति के लिए भारत सहित विश्व के कई अन्य देशों में टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। भारत के वैज्ञानिकों ने रिकॉर्ड समय में दो स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण कर इस जानलेवा वायरस से छुटकारा पाने की दिशा में क्रांतिकारी कदम उठाये हैं। डॉ. हर्षवर्धन पूर्व में भी विश्व स्वास्थ्य संगठन के पोलियो उन्मूलन पर महत्वपूर्ण विशेषज्ञ सलाहकार समूह और वैश्विक टेक्नीकल परामर्श समूह जैसी कई प्रतिष्ठित समितियों के सदस्य रहे हैं। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन के सलाहकार के रूप में भी कार्य किया है। डॉ. हर्षवर्धन के पास भारत और दक्षिणी एशिया में पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम को सफल बनाने के साथ ही पर्यावरण की रक्षा के लिए एक बड़े नागरिक अभियान 'ग्रीन गुड डीड्स' की शुरुआत करने और स्वयं के एक वरिष्ठ चिकित्सक होने का व्यापक अनुभव है। इससे विश्व को उनके इन महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए स्वास्थ्य के क्षेत्र में और भी बेहतर परिणाम मिलने का विश्वास है। डॉ. हर्षवर्धन निश्चित ही इस परीक्षा में खरे उतरेंगे और दुनिया को कोरोना मुक्त करने में भारत की भूमिका को एक नई प्रतिष्ठा दिलायेंगे, इसमें सन्देह नहीं है। वे कर्मठ व्यक्ति हैं और अपनी नई जिम्मेदारी को निभाने में सक्षम हैं। उन्हें पूर्व में पोलियो 'ईरेडिकेशन चेंपियन अवॉर्ड' भी मिला है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रोटरी इंटरनेशनल के एक कार्यक्रम में इस अवॉर्ड के लिए उन्हें 'स्वास्थ्य वर्धन' नाम से विभूषित किया था। आज देश और दुनिया के सामने सबसे बड़ी अग्नि परीक्षा कोविड-19 की अनसुलझी पहेली की चुनौती से निपटना है। जहां तक भारत का प्रश्न है, कोरोना महामारी से बचाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केन्द्रीय स्वास्थ्य मन्त्रालय ने अन्य मन्त्रालयों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर समय रहते सामूहिक प्रयास और कारगर उपाय किए हैं। जिससे अन्य देशों के मुकाबले भारत में मृत्यु दर और रिकवरी दर बहुत बेहतर रही है। डॉ. हर्षवर्धन भारतीय राजनीति के कर्मठ और जुझारू नेता हैं। उनकी गिनती भारत के बहुत ही सज्जन और सुसंस्कृत जननेता के रूप में होती है। चिकित्सा-विशेषज्ञ और कुशल प्रशासक होने के साथ-साथ उन्होंने प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ के रूप में भी देश का गौरव बढ़ाया है। वे अपनी प्रतिभा को विश्वव्यापी कर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। वे कर्मयोगी हैं, देश की सेवा के लिये सदैव तत्पर रहते हैं। वे किसी भी पद पर रहे, हर स्थिति में उनकी सक्रियता जीवंत बनी रहती है। वे सिद्धांतों एवं आदर्शों पर जीने वाले व्यक्तियों के प्रतीक हैं। डब्ल्यूएचओ सहित अन्य वैश्विक संस्थाओं के अध्यक्ष और सदस्य के रूप में उनका चयन विश्व स्वास्थ्य स्तर के ऊँचे मापदण्डों पर उनका कौशल और विशेषज्ञता, राजनैतिक जीवन में शुद्धता, सिद्धान्तों और मूल्यों की राजनीति का सम्मान है।

डॉ. हर्षवर्धन ने गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज कानपुर से 1979 में चिकित्सा में स्नातक और 1983 में चिकित्सा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की। वे 1993 से जनसेवा से जुड़े हैं। 1993 में वे दिल्ली विधानसभा के लिए पहली बार विधायक चुने गए। वे लगातार पांच बार विधानसभा के सदस्य रहे और मई 2014 में चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र से 16वीं लोकसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। वर्ष 1993 से 1998 के बीच उन्होंने दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य, शिक्षा, विधि और न्याय तथा विधायी कार्य के मंत्री के रूप में कार्य किया। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में 1994 में उनके नेतृत्व में 'पल्स पोलियो कार्यक्रम' की पायलट परियोजना का सफल कार्यान्वयन हुआ जिसके तहत दिल्ली में तीन वर्ष तक की आयु के 12 लाख शिशुओं का टीकाकरण किया गया। इस कार्यक्रम से 2014 में भारत के पोलियो मुक्त बनने की बुनियाद रखी गई। उन्होंने धूम्रपान निषेध और गैर धूम्रपान कर्ता स्वास्थ्य संरक्षण बिल पारित कराने और उसे लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस कानून का बाद में देश के विभिन्न राज्यों ने अनुसरण किया। डॉ. हर्षवर्धन को 2014 में भारत सरकार के केबिनेट मन्त्री के रूप में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया। बाद में उन्हें केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री बनाया गया। वे पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भी रहे। वे दिल्ली के चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र से 17वीं लोकसभा के लिए दोबारा संसद सदस्य निर्वाचित हुए है। उन्हें 30 मई, 2019 को केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री बनाया गया। डॉ. हर्षवर्धन कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रमुख सेनापति के रूप में भी उभरे। उन्होंने पिछले एक वर्ष में जिस प्रकार रात-दिन मेहनत कर अपने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है उसकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है।

# आज का राशिफल

**मेष** अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**वृषभ** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

**मिथुन** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

**कर्क** व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

**सिंह** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

**कन्या** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

**तुला** व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

**वृश्चिक** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चो का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**धनु** व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

**मकर** पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

**कुम्भ** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

**मीन** गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

# बागवानी से है प्यार तो बनाएं हार्टिकल्चर में कॅरियर

**हार्टिकल्चर वास्तव में आर्ट और विज्ञान का एक अदभुत मिश्रण है। जिसमें फल, सब्जियों, मसालों, फूलों, औषधीय व सुगंधित फूलों की खेती की जाती है। बागवानी के क्षेत्र में ना सिर्फ परिवेश का सौंदर्यीकरण शामिल है, बल्कि पौधों और उनके महत्व का अध्ययन भी शामिल है।**

प्रकृति की गोद में रहने का अपना एक अलग ही आनंद है। कंप्यूटर की किट-किट और डेडलाइन्स से दूर रहकर अगर आप नेचर संबंधित एक सुखद कॅरियर की तलाश में हैं तो आप हार्टिकल्चर अर्थात बागवानी में अपना भविष्य तलाश सकते हैं। हार्टिकल्चर वास्तव में एग्रीकल्चर का ही एक छोटा स्वरूप है। जहां एग्रीकल्चर में बड़े पैमाने पर खेती की जाती है, वहीं बागवानी में इसे छोटे स्तर पर किया जाता है। अगर आपको भी प्रकृति के करीब रहना पसंद है तो आप हार्टिकल्चर में अपना कॅरियर बनाएं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस बारे में-

### क्या है हार्टिकल्चर

हार्टिकल्चर वास्तव में आर्ट और विज्ञान का एक अद्भुत मिश्रण है। जिसमें फल, सब्जियों, मसालों, फूलों, औषधीय व सुगंधित फूलों की खेती की जाती है। बागवानी के क्षेत्र में ना सिर्फ परिवेश का सौंदर्यीकरण शामिल है, बल्कि पौधों और उनके महत्व का अध्ययन भी शामिल है। बागवानी में पौधों के फसल उत्पादन से लेकर मिट्टी की तैयारी, पौधे की प्रजनन और आनुवंशिक इंजीनियरिंग, पौधे की जैव रसायन और पादप शरीर क्रिया विज्ञान आदि शामिल है।

### शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में आपकी शैक्षणिक योग्यता इस बात पर निर्भर करती है कि आप किस प्रकार के बागवानी व्यवसाय में रूचि रखते हैं। इस क्षेत्र में प्रवेश स्नातक स्तर से शुरू होता है। जिन उम्मीदवारों ने भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित / जीव विज्ञान / कृषि के साथ विज्ञान स्ट्रीम (कक्षा 12 वीं) में उत्तीर्ण किया है, वे विषय के रूप में बागवानी में स्नातक की डिग्री के लिए एक अलग विषय के रूप में या बीएससी कृषि विज्ञान विषय के रूप में चयन कर सकते हैं। डिप्लोमा कार्यक्रम करने के लिए एक ही मूल योग्यता आवश्यक है। छात्र बागवानी में बीएससी करने के बाद, बागवानी में एमएससी कर क्षेत्र में अपना आगे का अध्ययन जारी रख सकते हैं।

### पर्सनल स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में प्रकृति के प्रति प्रेम की भावना होनी चाहिए। इसके अलावा छात्रों में सीखने के लिए उत्साह और प्रेरणा देने की क्षमता, गहन एकाग्रता के साथ लंबे समय तक काम करना और एक उत्सुक विश्लेषणात्मक मन होना चाहिए। उनके भीतर पौधों में रोग के शुरुआती लक्षणों का पता लगाने के लिए बागवानी विशेषज्ञों में व्यावहारिक क्षमता, अवलोकन की अच्छी शक्तियां होनी चाहिए। सामान्य तौर पर, बागवानी विशेषज्ञों को अपने आसपास की दुनिया के बारे में जानने और समस्याओं को हल करने में रचनात्मक होने की आवश्यकता होती है।

### संभावनाएं

इस क्षेत्र में भविष्य की चाह रखने वाले छात्रों के लिए सिर्फ भारत ही नहीं, विदेशों में भी रोजगार के पर्याप्त अवसर हैं। आप बागवानी उद्योग, सरकारी या शैक्षणिक संस्थानों या फिर निजी क्षेत्रों में भी प्रवेश कर सकते हैं। बागवानी वैज्ञानिक कृषि व्यवसाय, आर्बरकल्चर (लकड़ी के पौधों की देखभाल और देखभाल), वनस्पति उद्यान, संरक्षण, फसल प्रबंधन, पुष्प डिजाइन, खाद्य रसायन, फल और सब्जी उत्पादन, उद्यान केंद्र, ग्रीनहाउस, मैदान प्रबंधन, परिदृश्य निर्माण में कई क्षेत्रों में काम करते हैं। आप सरकारी क्षेत्र में पार्क, सार्वजनिक उद्यान, सरकारी लॉन आदि का रखरखाव कर सकते हैं। या फिरएक बागवानी निरीक्षक, फल और सब्जी निरीक्षक, कृषि विज्ञान केंद्र में प्रशिक्षण सहायक, जिला बागवानी अधिकारी / जिला कृषि अधिकारी, विपणन निरीक्षक, फार्म पर्यवेक्षक, अनुभाग अधिकारी और कृषि निरीक्षक के रूप में काम कर सकते है। इस क्षेत्र में ग्रेजुएट्स व पोस्ट ग्रेजुएट्स के लिए कृषि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में एसोसिएट प्रोफेसर या तकनीकी सहायक के रूप में काम किया जा सकता है। वहीं अगर आप सेल्फ एम्प्लॉयमेंट चाहते हैं तो आप हॉर्टिकल्चर कंसल्टेंट या हॉर्टिकल्चर थेरेपिस्ट, फ्लोरल डेकोरेटर / फ्लोरिस्ट शॉप, फ्रूट / वेजिटेबल / फ्लावर ग्रोवर इत्यादि के रूप में कार्य कर सकते हैं। कोई भी फल-फूल, सब्जियां या फूल या फल उगाने के लिए हॉर्टिकल्चर फ़ार्म स्थापित करके बागवानी उद्यमी बन सकता है।

### आमदनी

एक हार्टिकल्चरिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, स्पेशलाइजेशन व रोजगार की भौगोलिक स्थित पिर निर्भर करता है। सार्वजनिक क्षेत्र की तुलना में निजी क्षेत्र में बागवानी पेशेवरों का वेतन अधिक है। नए स्तर पर, बागवानी में वेतन 8,000 रुपये से लेकर 10,000 रुपये प्रति माह तक हो सकता है। क्षेत्र में दो से तीन साल के अनुभव के बाद, प्रति माह 20,000 रुपये तक कमा सकते हैं। बागवानी निरीक्षक (संबंधित राज्य या केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त) 7,000 रुपये से शुरू होता है और अनुभव और सेवा के कुल वर्षों के आधार पर 17,000 रुपये तक जाता है। जिला बागवानी अधिकारियों को 20,000 रुपये से अधिक मासिक वेतन मिलता है। बागवानी वैज्ञानिकों और वैज्ञानिकों का वेतन 18,000 से 25,000 रुपये के बीच है।

### प्रमुख संस्थान

देशभगत यूनिवर्सिटी, पंजाब।
नालंदा कॉलेज ऑफ हार्टिकल्चर, नालंदा।
श्रीराम कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, महाराष्ट्र।
हार्टिकल्चरल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु।
आईटीएम यूनिवर्सिटी, ग्वालियर।
पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना।

# लैपटॉप रिपेयरिंग सीखकर बनाएं अपना उज्ज्वल भविष्य

इस बात में कोई शक नहीं नहीं है कि लैपटॉप आज के समय में हमारे दैनिक जीवन की एक आवश्यकता बन गया है। ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर बैंकिंग व ऑफिस के काम आदि निपटाने के लिए हर व्यक्ति लैपटॉप को प्राथमिकता देता है। कुछ समय पहले तक जहां डेस्कटॉप का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब इनसे ज्यादा लैपटॉप को तवज्जो मिलने लगी है, क्योंकि इन्हें इस्तेमाल करना अपेक्षाकृत अधिक सुविधाजनक है। ऐसे में लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में भी कॅरियर की नई संभावनाएं पैदा हुई है। तो चलिए जानते हैं कैसे बनाएं लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर –

**स्किल्स**

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के भीतर सीखने की गहन इच्छा होनी चाहिए। इसके अलावा आपको लैपटॉप हार्डवेयर की भी अगर थोड़ी-बहुत जानकारी होगी तो यह आपके लिए अच्छा होगा। इस क्षेत्र में छात्रों में मार्केट में लॉन्च हो रहे नए लैपटॉप व उनकी क्वालिटीज के बारे पता होना चाहिए। टेक्नोलॉजी के अपडेट होने के साथ-साथ अगर आप भी खुद को अपग्रेड रखते हैं तो इससे आपको अतिरिक्त लाभ होगा।

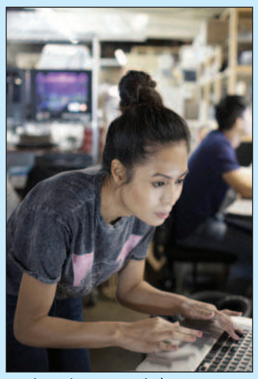

**कोर्स**

लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के लिए किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता का होना जरूरी है। आप किसी भी स्ट्रीम से दसवीं व बारहवीं के बाद लैपटॉप रिपेयरिंग का कोर्स कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में शार्ट टर्म कोर्स से लेकर सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इनकी अवधि तीन से छह माह तक हो सकती हैं।

**संभावनाएं**

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि लैपटॉप रिपेयरिंग कोर्स करने के बाद आपके पास काम की कोई कमी नहीं होती। दरअसल, आज के समय में लैपटॉप हर व्यक्ति की जरूरत बन गया है और इसलिए उसकी रिपेयरिंग के लिए एक्सपर्ट की डिमांड भी बढ़ी है। कोर्स करने के बाद आप लैपटॉप व कंप्यूटर रिपेयर शॉप्स, लैपटॉप सेल्स सेंटर, लैपटॉप शोरूम, लैपटॉप सर्विस सेंटर आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ समय के अनुभव के बाद आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप भी खोल सकते हैं।

**आमदनी**

इस क्षेत्र में आमदनी मुख्यतः आपके अनुभव और स्किल्स के आधार पर तय होती है। कोर्स करने के बाद आप शुरूआती दौर में 15000 से 20000 रूपए महीना सैलरी प्राप्त कर सकते हैं। कुछ समय के अनुभव के बाद आपकी सैलरी में इजाफा होता है। इतना ही नहीं, अगर आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप खोलते हैं तो आपकी मासिक आमदनी हजारों से लेकर लाखों में हो सकती है।

**प्रमुख संस्थान**

माइक्रोचिप एक्सपर्ट इंस्टीट्यूट, विभिन्न केन्द्र
मल्टीटेक इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी, दिल्ली
हाईटेक इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी
एक्सपर्ट इंस्टीट्यूट, विभिन्न केन्द्र
बेस्टटेक इंस्टीट्यूट
लैपटॉप केयर इंस्टीट्यूट ऑफ इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी

# आज के समय में रेडियोलॉजी टेक्नीशियन की है बहुत मांग, बनाए इस क्षेत्र में कॅरियर

**ना किसी एक देश में, बल्कि दुनिया के सभी देशों में हेल्थ सेक्टर के स्पेशलिस्ट भारी डिमांड में रहते हैं और इन्हीं स्पेशलिस्ट में से एक नाम रेडियोलॉजी टेक्नीशियन का भी आता है। सामान्य तौर पर डॉक्टरी का मतलब लोग एमबीबीएस डॉक्टर, नर्स इत्यादि ही समझते हैं, किंतु अब यह फील्ड बहुत ब्रॉड हो गया है।**

**कोरोना** वायरस का समय किस संकट से भरा रहा है, यह कोई बताने की जरूरत नहीं है। इस संकट में हेल्थ का क्षेत्र बेहद महत्त्व का साबित हुआ है। सिर्फ कोरोना काल में ही क्यों, हेल्थ सेक्टर तो हमेशा से ही सर्वोपरि रहा है। इसकी इंपॉर्टेंट हमेशा रही है। ना किसी एक देश में, बल्कि दुनिया के सभी देशों में हेल्थ सेक्टर के स्पेशलिस्ट भारी डिमांड में रहते हैं और इन्हीं स्पेशलिस्ट में से एक नाम रेडियोलॉजी टेक्नीशियन का भी आता है। सामान्य तौर पर डॉक्टरी का मतलब लोग एमबीबीएस डॉक्टर, नर्स इत्यादि ही समझते हैं, किंतु अब यह फील्ड बहुत ब्रॉड हो गया है। आप यूं समझ लें कि पहले डॉक्टर आप की नब्ज देख कर ही दवाएं दे दिया करते थे, बहुत बार तो अंदाजे पर ही दवा देते थे, किंतु अब छोटी से छोटी बात के लिए तुरंत एक्सरे, ईसीजी, ब्लड टेस्ट इत्यादि कराया जाता है। बता दें कि एक्सरे करने वाले स्पेशलिस्ट ही रेडियोलॉजी टेक्नीशियन कहलाते हैं।

जाहिर तौर पर हर जगह इनकी भारी डिमांड है। चाहे कोई बड़ा शहर हो, चाहे कोई टियर 2 का शहर हो, चाहे कोई छोटा शहर या कस्बा ही क्यों ना हो, रेडियोलॉजी टेक्नीशियन की डिमांड हर जगह बढ़ी है और इसीलिए इसे कॅरियर की संभावनाओं के लिहाज़ से एक चमकता हुआ क्षेत्र माना जाता है।

अगर आप भी इससे संबंधित कोर्स करना चाहते हैं तो यकीन मानिये कि यह बेहतर डिसीजन है और इसे पूरा करने के बाद आप किसी भी जॉब के मोहताज नहीं होंगे और खुद का बिजनेस तक कर सकते हैं। वैसे जॉब की भी इस सेक्टर में कमी नहीं है, न केवल देश में बल्कि विदेश में भी!

अलग अलग डायग्नोस के लिहाज़ से शरीर के तमाम अंगों का एक्सरे किया जाता है और रेडियोलॉजिस्ट केवल यही नहीं करता है, बल्कि मरीज और उसके आसपास स्थित लोगों पर खतरनाक रेडियो एक्टिव रेज साइड इफेक्ट ना डाले, इसका भी बहुत खास ध्यान रखते हैं। वैसे आजकल तो एक्सरे इत्यादि के लिए अलग लैब होती है, जहाँ सामान्य जनों का जाना अलाऊ नहीं होता है।

साथ ही मरीजों के रिकॉर्ड को मेंटेन करना भी इस क्षेत्र में बेहद जरूरी होता है, अतः इसके लिए आपको एक ट्रेंड कंप्यूटर जानने वाले व्यक्ति के रूप में भी खुद को अपडेट रखना पड़ता है। चूंकि यह मेडिकल से जुड़ा क्षेत्र ही है, तो डॉक्टरी पैसे में आवश्यक समर्पण और सेवा भाव ही आपको लोगों के बीच लोकप्रिय बना सकता है। साथ ही कम्युनिकेशन स्किल और पॉजिटिव एटीट्यूड तो दुनिया में कहीं भी सफल होने के लिए आवश्यक चीज है ही।

# जेनेटिक इंजीनियरिंग में करियर बनायें अपना कैरियर

**जेनेटिक इंजीनियरिंग विज्ञान का एक अत्याधुनिक ब्रांच है। जिसमें सजीव प्राणियों के डीएनए कोड में मौजूद जेनेटिक को अत्याधुनिक तकनीक के जरिए परिवर्तित किया जाता है। यह क्षेत्र बायोटेक्नोलॉजी के अंतर्गत ही आता है। जेनेटिक इंजीनियरिंग का कमाल कुछ वर्ष पहले ही दुनिया देख चुकी है, जब इयान विल्मुट और उनके सहयोगी रोसलिन ने जेनेटिक तरीके से भेड़ का बच्चा तैयार किया, जिसे डोली दिया था। यह हुबहु भेड़ का जेनेटिक कॉपी था। इन दिनों जेनेटिक इंजीनियर की डिमांड इंडिया के साथ-साथ विदेश में तेजी से बढ़ रहा है।**

**क्या है जेनेटिक इंजीनियरिंग**

जेनेटिक तकनीक के जरिए जींस की सहायता से पेड़-पौधे, जानवर और इंसानों में अच्छे गुणों को विकसित किया जाता है। जेनेटिक तकनीक के द्वारा ही रोग प्रतिरोधक फसलें और सूखे में पैदा हो सकने वाली फसलों का उत्पादन किया जाता है। इसके जरिए पेड़-पौधे और जनवरों में ऐसे गुण विकसित किए जाते हैं, जिसकी मदद से इनके अंदर बीमारियों से लडने की प्रतिरोधिक क्षमता विकसित की जाती है। इस तरह के पेड़-पौधे जीएम यानी जेनेटिकली मोडिफाइड फूड के रूप में जाने-जाते हैं। बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में जेनेटिक इंजीनियरिंग का इस्तेमाल बृहत पैमाने पर होता है, क्योंकि यह इंडस्ट्री फॉमास्युटिकल प्रोडक्ट जैसे कि इंश्युलीन और दूसरे दवाइयों के लिए एक हद तक जेनेटिक पर ही निर्भर रहती है।

**योग्यता और कोर्स**

योग्य जेनेटिक इंजीनियर उसे ही माना जा सकता है, जिनके पास जेनेटिक और इससे संबंधित फील्ड में ग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट डिग्री हो, जैसे कि बायोटेक्नोलॉजी, मोलिक्युलर बायोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री। इस कोर्स में एंट्री के लिए 12वीं बायोलॉजी, केमिस्ट्री और मैथ से पास होना जरूरी है। इस समय अधिकतर यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट में जेनेटिक इंजीनियरिंग के लिए अलग से कोर्स ऑफर नहीं किया जाता है, लेकिन इसकी पढ़ाई बायोटेक्नोजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री में सहायक विषय के रूप में होती है। बायोटेक्नोलॉजी के अडंर ग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट में जेनेटिक

इंजीनियरिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। गेजुटए कोर्स, बीईध्बीटेक में एंट्री प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है। एमएससी इन जेनेटिक इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी हर साल 120 सीटों के लिए संयुक्त परीक्षा का आयोजन करती है। तकरीबन 20 हजार छात्र इस परीक्षा में बैठते हैं। उगा अंको के आधार पर 20 छात्र को जेएनयू परिसर, नई दिल्ली में एडमिशन दे दिया जाता है। जेनेटिक डिग्री कोर्स के लिए भी यहां कुछ सीटें निश्चित हैं। इसके लिए भी एंट्रेंस टेस्ट में बैठना जरूरी है।

**रोजगार के अवसर**

जान-मानी करियर एक्सपर्ट परवीन मलहोत्रा कहती हैं कि जेनेटिक इंजीनियर के लिए भारत के साथ-साथ विदेश में भी जॉब के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। इनके लिए मुख्यत रोजगार के अवसर मेडिकल व फार्मास्युटिकल कंपनी, एग्रीकल्चर सेक्टर, प्राइवेट और सरकारी रिसर्च और डेवलपमेंट सेंटर में होते हैं। टीचिंग को भी करियर ऑप्शन के रूप में आजमा जा सकता है।

इसके अलावा, इनके लिए रोजगार के कई और भी रास्ते हैं। बायोटेक लेबोरेटरी में रिसर्च, एनर्जी और एंवायरनमेंट से संबंधित इंडस्ट्री, एनिमल हसबैंड्री, डेयरी फार्मिंग, मेडिसन आदि में भी रोजगार के खूब मौके हैं। कुछ ऐसे संस्थान भी हैं, जो जेनेटिक इंजीनियर को हायर करती है, जैसे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली, सेंटर फॉर डीएनए फिंगरप्रिंट ऐंड डाइग्नोस्टिक, हैदराबाद, बायोकेमिकल इंजीनियरिंग रिसर्च ऐंड प्रोसेस डेवलॉपमेंट सेंटर, चंडीगढ़, द इंस्टीट्यूट ऑफ जिनोमिक ऐंड इंटेग्रेटिव बायोलॉजी, दिल्ली आदि।

**सैलॅरी पैकेज**

जेनेटिक इंजीनियरिंग में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री रखने वाले स्टूडेंट्स को शुरुआती दौर में आठ से 12 हजार रुपये प्रति माह सैलॅरी मिलने लगती है। यदि आपके पास डॉक्ट्रोरल डिग्री है, तो सैलॅरी 15-25 हजार रुपये शुरुआती महीनों में हो सकती है।

**इंस्टीट्यूट वॉच...**

-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मद्रास, खडगपुर
-आईआईटी गुवाहाटी
-आईआईटी, दिल्ली
-दिल्ली यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
-उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद
-पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना
-राजेंद्र एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, समस्तीपुर, बिहार
-जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
-बनारस हिंदु यूनिवर्सिटी, वाराणसी
-ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली

## डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे घटकर 73.42 रुपए पर बंद

**मुंबई:** कोविड संक्रमण के बढ़ते मामलों को लेकर कुछ राज्यों में आंशिक लॉकडाउन लगाए जाने से आर्थिक सुधार प्रभावित होने की चिंता के बीच विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपए का आरंभिक लाभ लुप्त हो गया। कारोबार के अंत में यह अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 12 पैसे गिरकर 73.42 (अनंतिम) रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अन्तरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, डॉलर के मुकाबले रुपया 73.22 पर खुला और कारोबार के दौरान इसमें 73.20 से 73.42 रुपए के बीच घट-बढ़ हुई। कारोबार के अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया अपने पिछले बंद भाव 73.30 रुपये के मुकाबले 12 पैसे टूटकर 73.42 रुपये पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें तथा विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। इस बीच, विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला, डॉलर सूचकांक, 0.13 प्रतिशत बढ़कर 92.71 हो गया। वैश्विक मानक माने जाने वाले, ब्रेंट क्रूड वायदा 2.37 फीसदी की तेजी के साथ 63.62 डॉलर प्रति बैरल पर पर पहुंच गया। स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे जहां उन्होंने सोमवार को 931.66 करोड़ रुपये के शेयरों की कटान की।

## एचपी ने भारत में छात्रों के लिए मीडियाटेक संचालित क्रोमबुक लॉन्च किया

**नई दिल्ली।** दूरस्थ शिक्षा युग में छात्रों को सशक्त बनाने के लिए पीसी और प्रिंटर प्रमुख एचपी ने मंगलवार को मीडियाटेक प्रोसेसर के साथ एक किफायती क्रोमबुक 11ए लॉन्च किया। इसकी शुरुआती कीमत 21,999 रुपये रखी गई है। मीडियाटेक एमटी8183 ऑक्टा-कोर प्रोसेसर और 11.6 इंच एचडी टच डिस्प्ले द्वारा संचालित, नया एचपी क्रोमबुक 11ए नोटबुक छात्रों के हाथों में डिजिटल लर्निंग के साथ लचीलापन लाता है, ताकि वे इंटरैक्टिव होने के साथ व्यक्तिगत सीखने में भी महारत हासिल कर सकें। महज 1 किलो वजनी यह डिवाइस फ्लिपकार्ट पर इंडिगो ब्लू कलर में मैचिंग कीबोर्ड डेक के साथ उपलब्ध है। एचपी इंडिया मार्केट के प्रबंध निदेशक केतन पटेल ने एक बयान में कहा, एचपी में हम सीखने के एक गतिशील, आकर्षक और समावेशी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में विश्वास करते हैं। हम भविष्य के लिए अगली पीढ़ी को तैयार करना चाहते हैं और उन्हें आजीवन सीखने के लिए एक नए पाठ्यक्रम पर सेट करना चाहते हैं। नया क्रोमबुक 11ए इसी दिशा में एक कदम है। एचपी क्रोमबुक 11 ए गूगल वन के साथ पेश किया गया है, जो 100 जीबी क्लाउड स्टोरेज प्रदान करता है। यह एक साल के लिए गूगल विशेषज्ञों तक इसकी पहुंच प्रदान करने के साथ ही अन्य एक्सक्लूसिव सदस्य लाभ भी प्रदान करता है। गूगल असिस्टेंट एचपी क्रोमबुक्स पर भी उपलब्ध है और साथ ही यह गूगल प्ले स्टोर में 30 लाख से अधिक ऐप्स तक पहुंच सुनिश्चित करता है।

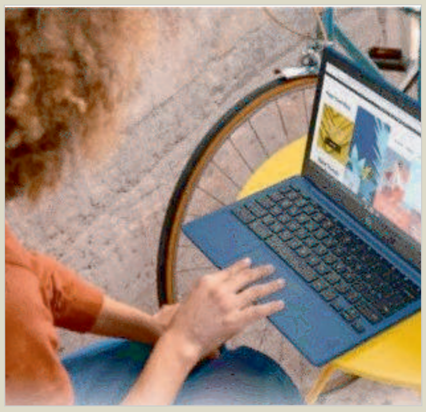

# जुकरबर्ग करते हैं सिग्नल ऐप का इस्तेमाल, फेसबुक के लीक डेटा से हुआ खुलासा

**सैन फ्रांसिस्को।**

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के 53.3 करोड़ यूजर्स का डेटा लीक होने का मामला सामने आया है। केवल यूजर्स ही नहीं बल्कि कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के डेटा लीक होने की खबर ने सनसनी फैला दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डेटा लीक से खुलासा हुआ है कि फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग सिग्नल ऐप का इस्तेमाल करते हैं। दरअसल जुकरबर्ग का फोन नंबर 53.3 करोड़ फेसबुक यूजर्स के लीक हुए डेटा में से है। एक ऑनलाइन रिपोर्ट के मुताबिक, जुकरबर्ग के फोन नंबर और फेसबुक यूजर आईडी के अलावा उनका नाम, लोकेशन, शादी से संबंधित जानकारी और जन्मतिथि संबंधी डेटा लीक हुआ है। दरअसल एक सिक्योरिटी रिसर्चर ने खुलासा किया कि जुकरबर्ग अपने लीक हुए फोन नंबर से सिग्नल का उपयोग करते हैं। मार्क जुकरबर्ग सिग्नल का उपयोग करके अपनी खुद की प्राइवेसी का खयाल रख रहे हैं, जिसमें एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन मिलता है। सिक्योरिटी एक्सपर्ट डेव वॉकर ने ट्विटर पर जुकरबर्ग के लीक हुए फोन नंबर के स्क्रीनशॉट के साथ पोस्ट किया है, जिसमें कहा गया, मार्क जुकरबर्ग सिग्नल पर हैं। डेव वॉकर ने कहा है चूंकि फेसबुक पर एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन की सुविधा नहीं है, इसलिए मार्क जुकरबर्ग सिग्नल का उपयोग करके अपनी खुद की प्राइवेसी का खयाल रख रहे हैं।

## विप्रो ने सारा एडम को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड के लिए प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

**नयी दिल्ली,** आईटी सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी विप्रो लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड (एएनजेड) परिचालन के लिए सारा एडम-गेज को प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। एक नियामकीय सूचना में कहा गया है कि उन्होंने (सारा एडम-गेज) ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड, एशिया-प्रशांत, पश्चिम एशिया एवं अफ्रीका तथा लातिनी अमेरिका में 25 से अधिक वर्षों तक परियोजना और सेवा-आधारित परामर्श के क्षेत्र में काम किया है। इसमें कहा गया है, ''एएनजेड के लिए पीएंडएल अगुवा के रूप में, सारा व्यापार विकास, राजस्व विस्तार, ग्राहक संबंध, प्रतिभा विकास, उद्योग संपर्क और ब्रांड निर्माण के लिए विप्रो के दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करेंगी।''

## सेबी ने संस्थागत निवेशकों से पारदर्शी 'स्टूवर्डशिप' संहिता का अनुपालन करने को कहा

**नई दिल्ली:**

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने संस्थागत निवेशकों मसलन बैंकों, बीमा कंपनियों और पेंशन कोषों से 'पारदर्शी' स्टूवर्डशिप संहिता का अनुपालन करने को कहा है। इससे ग्राहकों और लाभार्थियों के प्रति उनकी पूरी जवाबदेही सुनिश्चित हो सकेगी। सेबी के चेयरमैन अजय त्यागी ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा मंगलवार को कॉरपोरेट गवर्नेंस पर आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम में कहा कि निदेशक मंडल में यदि कोई ऐसा अवांछित फैसला लिया जा रहा, जो सभी अंशधारकों के हित में नहीं है, तो संस्थागत निवेशकों को उसका विरोध करने की ताकत बनना चाहिए। स्टूवर्डशिप संहिता सिद्धान्त आधारित रूपरेखा है। इससे संस्थागत निवेशकों को अपने दायित्वों को पूरा करने में मदद मिलती है, जिससे वे ग्राहकों और लाभार्थियों का संरक्षण करने के अलावा उनके लिए मूल्यवर्धन कर सकते हैं। सेबी ने दिसंबर, 2020 में म्यूचुअल फंड और सभी श्रेणियों के वैकल्पिक निवेश कोषों (एआईएफ) के लिए स्टूवर्डशिप संहिता तय की थी। यह संहिता एक जुलाई, 2020 से लागू हुई है। पारदर्शिता को और बेहतर करने के लिए सेबी ने हाल में म्यूचुअल फंड इकाइयों के लिए कुछ विशेष मामलों में कंपनी के प्रस्तावों के संदर्भ में मतदान को अनिवार्य कर दिया है। त्यागी ने कहा, ''मैं अन्य सभी संस्थागत भागीदारों मसलन बैंकों, बीमा कंपनियों तथा पेंशन कोषों से कहूंगा कि वे पारदर्शी स्टूवर्डशिप संहिता का अनुपालन करें जिससे अपने ग्राहकों/लाभार्थियों के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित कर सकें।

# उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद सेंसेक्स, निफ्टी मामूली बढ़त के साथ बंद

**मुंबई,**

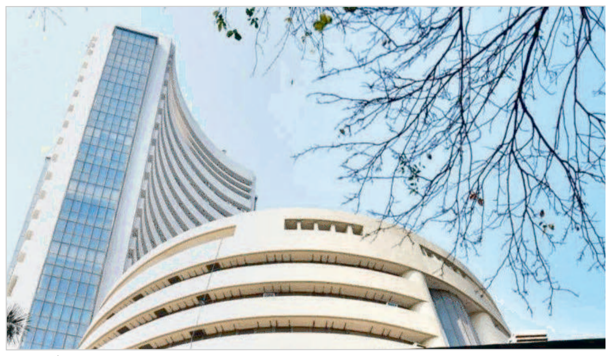

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में शेयर बाजार मंगलवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। देश में कारोना वायरस संक्रमितों की संख्या एक बार फिर तेजी से बढ़ने और उसका अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता के बीच बाजार में उतार-चढ़ाव रहा। बंबई शेयर बाजार के तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में कारोबार के दौरान करीब 646 अंकों का उतार-चढ़ाव आया। अंत में यह 42.07 अंक यानी 0.09 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 49,201.39 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 45.70 अंक यानी 0.31 प्रतिशत की हल्की तेजी के साथ 14,683.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में एशियन पेंट्स रहा। इसमें 4 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा सन फार्मा, एचयूएल, एचडीएफसी, डा. रेड्डीज, नेस्ले इंडिया और महिंद्रा एंड महिंद्रा में भी अच्छी तेजी रही। दूसरी तरह, जिन शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें पावरग्रिड, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और आईसीआईसीआई बैंक शामिल हैं। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीतिक मामलों के प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में काफी उतार-चढ़ाव रहा और शुरू में जो अच्छी तेजी थी, वह कायम नहीं रह पायी। इसका कारण देश भर में कोविड-19 मामलों में तेजी और उसके कारण विभिन्न राज्यों में पाबंदियों से निवेशकों की धारणा पर असर पड़ना है।

उन्होंने कहा कि जब तक कोरोना वायरस को फैलने से रोका नहीं जाता या उस पर काबू नहीं पाया जाता, निकट भविष्य में बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई कंपोजिट इंडेक्स और जापान का निक्की नुकसान में रहे जबकि दक्षिण कोरिया के कोस्पी में तेजी रही।

भारतीय समयानुसार दोपहर बाद खुले यूरोप के बाजारों में शुरूआती कारोबार में तेजी रही। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.43 प्रतिशत मजबूत होकर 63.66 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

# सेबी ने सूचीबद्ध कंपनियों से कहा, अप्रैल-2022 से पहले चेयरमैन, एमडी की भूमिका अलग करें

**नयी दिल्ली,**

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों से कहा है कि वे अप्रैल, 2022 की समयसीमा से पहले चेयरमैन और प्रबंध निदेशकों की भूमिका को अलग करने के लिए काम करें। नियामक ने स्पष्ट किया है कि नए निर्देश का मकसद प्रवर्तकों की स्थिति को कमजोर करना नहीं है। सेबी ने जनवरी, 2020 में सूचीबद्ध कंपनियों के लिए चेयरमैन और प्रबंध निदेशकों (एमडी) की भूमिका को विभाजित करने की व्यवस्था को कंपनियों के आग्रह पर दो साल के लिए टाल दिया था। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष 500 सूचीबद्ध कंपनियों के लिए ये नियमन अब एक अप्रैल, 2022 से लागू होंगे। सेबी के चेयरमैन अजय त्यागी ने मंगलवार को कहा कि इस नयी व्यवस्था से सूचीबद्ध कंपनियों के संचालन ढांचे में सुधार लाने में मदद मिलेगी। त्यागी ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के कॉरपोरेट गवर्नेंस पर आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इससे किसी एक व्यक्ति के पास अधिक अधिकारों को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिसंबर, 2020 तक शीर्ष 500 सूचीबद्ध कंपनियों में से करीब 53 प्रतिशत इस नियामकीय प्रावधान का अनुपालन कर रही थीं। त्यागी ने कहा, ''मैं पात्र सूचीबद्ध कंपनियों से कहूंगा कि इस बदलाव के लिए समयसीमा से पहले ही तैयार हो जाएं।'' त्यागी ने कहा कि इस विभाजन के पीछे विचार प्रवर्तकों की स्थिति को कमजोर करने का नहीं है। बल्कि हम कामकाज के संचालन में सुधार लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भूमिकाओं को अलग करने से संचालन का ढांचा अधिक बेहतर और संतुलित हो सकेगा। सेबी नियमों के तहत शीर्ष 500 सूचीबद्ध कंपनियों को एक अप्रैल, 2020 से चेयरपर्सन और प्रबंध निदेशक या मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) की भूमिका को विभाजित करना था। कई कंपनियों ने चेयरमैन और प्रबंध निदेशक का पद मिला दिया है। इससे हितों के टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है। इसी के मद्देनजर नियामक ने मई, 2018 में इन पदों को विभाजित करने के नियम पेश किए थे। ये नियम सेबी द्वारा कॉरपोरेट गवर्नेंस पर नियुक्त कोटक समिति की सिफारिशों का हिस्सा हैं। सेबी प्रमुख ने कहा कि वैश्विक स्तर पर भी अब चेयरपर्सन और एमडी/सीईओ के पदों को विभाजित करने पर काम हो रहा है।

उन्होंने बताया कि ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में बहस अब दोनों पदों को विभाजित करने की ओर झुक गई है। जर्मनी और नीदरलैंड में दो स्तरीय बोर्ड ढांचा है। इससे बोर्ड और प्रबंधन की भूमिका अलग-अलग हो जाती है।

त्यागी ने कहा कि कोविड-19 के दौरान सूचीबद्ध कंपनियों को सभी अंशधारकों से पर्याप्त जानकारी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कंपनियों को यह बताना चाहिए कि महामारी का क्या वित्तीय प्रभाव हुआ है। उन्हें सिर्फ चुनिंदा खुलासे तक सीमित नहीं रहना चाहिए।

# कॉपीराइट विवाद: गूगल को ऑरेकल के साथ विवाद में मिली जीत

**बिजनेस डेस्क:**

अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने ऑरेकल के साथ कॉपीराइट विवाद में गूगल के पक्ष में फैसला दिया है। इससे प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियों ने राहत की सांस ली है। न्यायालय ने कहा कि गूगल ने एंड्रॉयड ऑपरेटिंग प्रणाली के लिए विकास के लिए कोड को 'नकल' कर कुछ गलत नहीं किया है। अब इस प्रणाली का इस्तेमाल ज्यादातर स्मार्टफोन में होता है। कैलिफोर्निया बेस्ड दुनिया की दो दिग्गज कंपनियां 11 साल से जो जंग लड़ रही थी, उसमें गूगल ने बाजी मार ली है

**जानिए क्या है मामला?**

एंड्रॉयड के विकास के लिए गूगल ने नए कंप्यूटर कोड की लाखों लाइनें लिखी थीं। इसे 2007 में जारी किया गया था। इसके अलावा उसने ऑरेकल के जावा प्लेटफॉर्म पर कॉपीराइट वाले कोड की 11,500 लाइनें भी इस्तेमाल की थीं। ऑरेकल ने इसके लिए गूगल को अरबों डॉलर का भुगतान करने को कहा था। मालूम हो कि ओरेकल ने साल 2018 में सैन फ्रांसिस्को फेडरल कोर्ट में लड़ाई जीत ली थी। इसमें कंपनी ने आठ अरब डॉलर का मुआवजा पाने का हक पाया था। इस बार अगर ऑरेकल मुकदमा जीतती, तो उसे 20-30 अरब डॉलर की रकम मिल सकती थी।

**न्यायालय ने कोड को कॉपी करने को उचित बताया**

न्यायालय ने इस मामले में 6-2 के साथ गूगल के पक्ष में फैसला दिया है। न्यायालय ने कोड को कॉपी करने को उचित बताया है। इस फैसले से कई बड़ी और छोटी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने राहत की सांस ली है। उद्योग की दो दिग्गज कंपनियों माइक्रोसॉफ्ट और आईबीएम ने इस मामले में गूगल का पक्ष लिया था। ऑरेकल को इस मामले में फिल्म और रिकॉर्डिंग उद्योग के साथ प्रकाशकों का समर्थन मिला था। पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने भी ऑरेकल का पक्ष लिया था। गूगल और ऑरेकल दुनिया की दो शीर्ष तकनीकी कंपनियां हैं। दोनों की मिश्रित कीमत 175 अरब डॉलर से भी अधिक है। दोनों ही कंपनियां कैलिफोर्निया बेस्ड कंपनियां हैं।

## एआई सर्विस का विकास करने के लिए एलजी ने बड़ी टेलीकॉम कंपनी संग की साझेदारी

**सोल।**

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने मंगलवार को कहा है कि उनका प्लान केटी कॉर्प के साथ मिलकर एक क्रॉस-प्लेटफॉर्म आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) समर्थित सेवाओं का विकास करने का है। केटी कॉर्प दक्षिण कोरिया का एक टेलीकॉम ऑपरेटर है। कंपनी ऐसा मानव जैसे अपने एल्गोरिदम के इस्तेमाल में विस्तार लाने के उद्देश्य से कर रही है। अपना मोबाइल बिजनेस बंद करने का ऐलान करने के एक दिन बाद एलजी ने कहा कि उनकी योजना ऐसी सेवाओं का व्यवसायीकरण करने की है, जो संयुक्त इंटरफेस विकसित करने के बाद दोनों कंपनियों से एआई प्लेटफॉर्म का समर्थन करे। दोनों कंपनियों ने हाल ही में एलजी के थिन क्यू और केटी के गीगा जिनी एआई प्लेटफार्मों के बीच संगतता का सत्यापन किया है। योनहाप समाचार एजेंसी के मुताबिक, एलजी ने अपने स्मार्ट मिरर की जांच यह पता लगाने के मकसद से किया है कि क्या कंपनी के स्मार्ट होम सॉल्यूशंस केटी के एआई प्लेटफॉर्म पर काम कर पाने के काबिल हैं।

## एयरटेल, जियो ने स्पेक्ट्रम ट्रेडिंग समझौते की घोषणा की

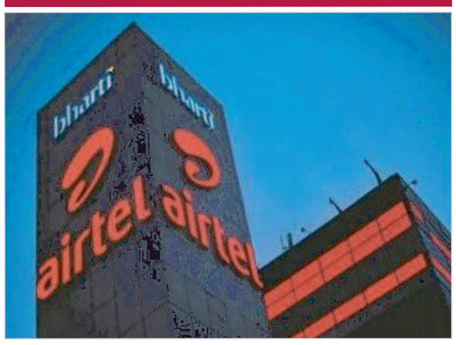

**नई दिल्ली।**

रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड ने भारती एयरटेल लिमिटेड के साथ हुए एक स्पेक्ट्रम-ट्रेडिंग समझौते के तहत, आंध्र प्रदेश, दिल्ली और मुंबई सर्किल के 800 मेगाहट्र्ज बैंड में स्पेक्ट्रम के अधिकार खरीदे हैं।

रिलायंस जियो 800 मेगाहट्र्ज बैंड में आंध्र प्रदेश में 3.75, दिल्ली में 1.25 और मुंबई में 2.50 मेगाहट्र्ज अतिरिक्त स्पेक्ट्रम का उपयोग कर अपने ग्राहकों को बेहतर सेवाएं दे सकेगा। इन तीन सर्किल्स में रिलायंस जियो के पास कुल 7.5 मेगाहट्र्ज अतिरिक्त स्पेक्ट्रम उपलब्ध होगा। यह ट्रेडिंग एग्रीमेंट दूरसंचार विभाग द्वारा जारी स्पेक्ट्रम ट्रेडिंग के दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया है। सभी विनियामक और वैधानिक अनुमोदन के बाद ही समझौता लागू होगा। स्पेक्ट्रम खरीदने के लिए रिलायंस जियो कुल 1,497 करोड़ का भुगतान करेगा, जिसमें डेफेरड पेमेंट के अधीन समायोजित 459 करोड़ का भुगतान सम्मिलित है। स्पेक्ट्रम के उपयोग के लिए हुए समझौते के बाद रिलायंस जियो के पास मुंबई सर्किल के 800 मेगाहट्र्ज बैंड में 2गुणा15मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम तथा आंध्र प्रदेश और दिल्ली सर्किल में 800 मेगाहट्र्ज बैंड में 2गुणा10 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम उपलब्ध होंगे, जिससे इन सर्किलों में स्पेक्ट्रम आधारित ग्राहक सेवाओं को और मजबूत किया जा सकेगा। जियो ने कहा कि उम्मीद की जा रही है कि नया स्पेक्ट्रम के जुड़ने के साथ ही रिलायंस जियो का बुनियादी ढांचा और नेटवर्क क्षमता और बेहतर होगी।

## नई जगुआर एफ-पेस के लिए बुकिंग्स शुरू: ज्यादा मुखर, लग्जुरियस और कनेक्टेड

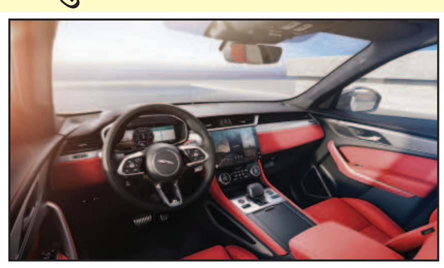

**मुंबई।**

जगुआर लैंड रोवर इंडिया ने आज से भारत में नए जगुआर एफ-पेस के लिए बुकिंग्सए शुरू करने की घोषणा एक मुखर नए एक्संटीरियर, खूबसूरती से तैयार किए गए सभी नए इंटीरियर, लेटेस्टा जनरेशन पीवी प्रो इन्फोटेनमेंट और इन-लाइन फोर-सिलेंडर पेट्रोल और डीजल इंजन के विकल्पी पसंद के साथ, नया जगुआर एफ-पेस ज्याोदा लग्जुरियर, कनेक्टोड एवं एफिशिएंट है।

जगुआर लैंड रोवर इंडिया के प्रेसिडेंट और प्रबंध निदेशक रोहित सूरी ने कहा, "अपने नवीनतम अवतार में, नई जगुआर एफ-पेस का स्टैंडआउट डिज़ाइन कंटूर्स, शानदार प्रदर्शन और अधिक लग्जुपरियर एवं कनेक्टोड अनुभव भारत में कई दिलों को लुभाने के लिए तैयार है।"

नई जगुआर एफ-पेस को भारत में आर-डायनामिक एस ट्रिम में पेट्रोल और डीजल दोनों पावरट्रेन में पेश किया जाएगा और इसकी डिलीवरी मई 2021 से शुरू होगी।

नए जगुआर एफ-पेस के बारे में और अधिक जानने के लिए कृपया www.jaguar.in पर जाएं।

भारत में जगुआर का उत्पाद पोर्टफोलियो भारत में जगुआर रेंज में एक्सपई (46.64 लाख रूपये से शुरू), एक्सड्डुएफ (55.67 लाख रूपये से शुरू), आइ-पेस (105.9 लाख रूपये से शुरू), और एफ-टाइप (95.12 लाख रूपये से शुरु)। सभी उल्लेखित कीमतें भारत में एक्स-शोरूम की कीमतें हैं।

**भारत में जगुआर लैंड रोवर रिटेलर नेटवर्क**

जगुआर लैंड रोवर के वाहन 28 अधिकृत आउटलेट्स के माध्यम से 24 शहरों में अहमदाबाद, औरंगाबाद, बेंगलुरू(3), भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, कोयंबटूर, दिल्ली(2), गुड़गांव, हैदराबाद, इंदौर, जयपुर, कोलकाता, कोच्चि, करनाल, लखनऊ, लुधियाना, मंगलौर, मुंबई (2), नोएडा, पुणे, रायपुर, सूरत और विजयवाड़ा में उपलब्ध हैं।

## टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा नहीं लेगा उत्तर कोरिया

**सियोल।** उत्तर कोरिया ने इस साल टोक्यो ओलंपिक खेलों में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जापान में कोरोनोवायरस महामारी के प्रकोप को देखते हुए उत्तर कोरिया ने यह फैसला लिया है। डीपीए न्यूज की खबर के अनुसार उत्तर कोरिया में खेल पर रिपोर्ट करने वाली डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया में वेबसाइट स्पोर्ट के अनुसार प्योंगयांग की ओलंपिक समिति ने 25 मार्च को यह निर्णय लिया। समिति ने कथित तौर पर कहा कि यह निर्णय कोरोनोवायरस के कारण वैश्विक स्वास्थ्य संकट से हमारे एथलीटों की रक्षा करने के लिए लिया गया है। उत्तर कोरिया के अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी। टोक्यो में जापानी ओलंपिक आयोजन समिति से भी तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। उत्तर कोरिया उन कुछ चुनिंदा देशों में से एक है जिसने अभी तक एक भी कोरोनोवायरस मामले की रिपोर्ट नहीं की है, लेकिन पर्यवेक्षकों का मानना है कि वायरस वहां मौजूद है।

आईपीएल 14

# प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगा पंजाब किंग्स

**नई दिल्ली।**

आईपीएल के पिछले छह सीजन में प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही पंजाब किंग्स (पहले किंग्स इलेवन पंजाब) टीम इस सीजन में अंतिम-4 में जगह बनाना चाहेगी। पंजाब की टीम पिछले सत्र में प्लेऑफ में जगह बनाने के काफी करीब थी लेकिन उसे अंत में राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा और प्लेऑफ में पहुंचने की उसकी उम्मीदें टूट गई। पंजाब पिछले सीजन में छठे स्थान पर रहा था। पंजाब की टीम ने इस सीजन में टीम के नाम में परिवर्तन किया है और उम्मीद की जा रही है कि इससे उन्हें कुछ फायदा मिले। इस सीजन में उसके लिए सबसे बड़ी चुनौती बल्लेबाजी क्रम में पॉवर हिटिंग है, विशेषकर पारी के अंत के समय में। कप्तान लोकेश राहुल, मयंक अग्रवाल और क्रिस गेल ने पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे उनका शीर्ष क्रम मजबूत है लेकिन मध्यक्रम में उसे संघर्ष करना पड़ा था। पंजाब के ऑलराउंडर रहे ग्लेन मैक्सवेल ने पिछले सीजन में निराश किया था जिसके कारण टीम ने इस सीजन के लिए उन्हें रिलीज कर दिया था। मैक्सवेल इस सत्र में रॉयल चैलेंजर बेंगलोर के लिए खेलेंगे। हालांकि पंजाब ने इस बार खिलाड़ियों की नीलामी में कई खिलाड़ियों को खरीदा जिससे ना सिर्फ उसका मध्यक्रम और निचला क्रम मजबूत होगा बल्कि तेज गेंदबाजी आक्रमण में भी उसे मदद मिलेगी। पंजाब ने टीम में विश्व के नंबर-1 टी20 बल्लेबाज इंग्लैंड के डेविड मलान तथा मुश्ताक अली टी20 में बेहतर प्रदर्शन करने वाले शाहरूख खान को शामिल किया है। इसके अलावा उसने ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज झाई रिचर्डसन को 14 करोड़ रूपये और रिले मेरेदिथ को आठ करोड़ रूपये में टीम में लिया था। पंजाब ने ऑलराउंडर मोएसेस हेनरिक्स को भी लिया जिन्होंने भारत के खिलाफ सीरीज में बेहतर प्रदर्शन किया था। पंजाब के लिए परेशानी समीकरण साधना है क्योंकि आईपीएल में किसी भी टीम में सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ियों को खेलने की ही इजाजत है। भारतीय खिलाड़ियों के होने से ही उसका गेंदबाजी आक्रमण संतुलित है। स्पिनर रवि बिश्नोई और एम अश्विन ने पिछले सीजन में बेहतर किया था। एक तथ्य यह भी है कि टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले उसके क्रिकेट ऑपरेशन के निदेशक हैं जिससे स्पिनरों को बेहतर मार्गदर्शन मिल रहा है। तेज गेंदबाजी आक्रमण में उसके पास मोहम्मद शमी जैसे गेंदबाज हैं जो पिछले सत्र में पंजाब के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। वह चोटिल होने के बाद वापसी कर रहे हैं जिसके कारण वह ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट और इंग्लैंड के खिलाफ पूरी सीरीज से बाहर रहे थे। शमी ने हाल ही में आईएएनएस को दिए साक्षात्कार में शानदार वापसी का भरोसा जताया था। इस बीच राहुल का नेतृत्व भी देखने लायक होगा।

राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने पिछले सीजन के अंत में राहुल के नेतृत्व की प्रशंसका की थी। पंजाब किंग्स का इस सीजन में पहला मुकाबला राजस्थान रॉयल्स के साथ 12 अप्रैल को होगा।

## सौरव गांगुली ने दिया बड़ा बयान, कहा- विदेशी खिलाड़ी मानसिक तौर पर जल्दी हार मान लेते हैं

**कोलकाता ।**

खिलाड़ियों के बायो-बबल (जैव-सुरक्षित माहौल) को चुनौतीपूर्ण करार देते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने मंगलवार को कहा कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के क्रिकेटरों की तुलना भारतीय खिलाड़ी मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से निपटने के लिए 'अधिक सहनशील' हैं। कोविड-19 के दौर में फिर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के शुरु होने के बाद से खिलाड़ियों को बायो-बबल में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा है, जहां उनका जीवन होटलों और स्टेडियमों तक ही सीमित है। खिलाड़ी बायो-बबल से बाहर किसी से मिल नहीं सकते, जिससे उनके लिए खुद को तरोताजा और प्रेरित रखना बेहद मुश्किल हो जाता है। भारत के मौजूदा कप्तान विराट कोहली ने भी हाल ही में कहा था कि इस स्थिति से खिलाड़ियों को मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांगुली ने कहा कि मुझे लगता है कि विदेशी क्रिकेटरों की तुलना में हम भारतीय थोड़े अधिक सहनशील हैं। मैंने इंग्लैंड, आस्ट्रेलियाई और वेस्टइंडीज के बहुत सारे क्रिकेटरों के साथ खेला है। वे मानसिक स्वास्थ्य पर जल्दी हार मान जाते है। पिछले छह-सात महीने से बायो-बबल में क्रिकेट हो रहा है और यह काफी मुश्किल है। होटल के कमरे से मैदान पर जाना, खेल के दबाव को संभालना और वापस कमरे में आ जाना और फिर से मैदान पर जाना, यह बिलकुल अलग तरह की जिंदगी है। गांगुली ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे से हटने का उदाहरण दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 'खिलाड़ियों, सहायक कर्मचारियों और समुदाय के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिम के अस्वीकार्य स्तर' का हवाला देते हुए तीन मैचों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा रद्द कर दिया था। ऑस्ट्रेलियाई टीम को देखिये, भारत के खिलाफ श्रृंखला के बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका का दौरा करना था लेकिन उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 का खतरा हमेशा बना रहेगा। आपको सकारात्मक रहना होगा, आपको खुद को मानसिक रूप से तैयार करन होगा। हम सभी को खुद को मानसिक रूप से प्रशिक्षित करना होगा ताकि हमारे साथ अच्छा होगा।

## महिला फुटबाल : कोविड-19 के कारण स्थगित किया गया आईडब्ल्यूएल

**नई दिल्ली।** कोविड-19 महामारी के कारण भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) को मंगलवार को स्थगित कर दिया गया। ओडिशा में लीग का आयोजन होने वाला था, हालांकि एआईएफएफ ने तारीखों की घोषणा नहीं की थी। एआईएफएफ ने बयान में कहा, राज्य में कोविड-19 मामलों की बढ़ती संख्या और ओडिशा सरकार के कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन करने के साथ-साथ खिलाड़ियों और अधिकारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हीरो इंडियन विमेंस लीग, जिसका का आयोजन इस महीने के अंत में ओडिशा में होने वाला था को अगले नोटिस तक के लिए टाल दिया गया है। सोमवार को एआईएफएफ ने भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) के लिए प्ले-ऑफ को स्थगित करने की घोषणा की थी। प्ले-ऑफ का आयोजन 7 से 14 अप्रैल को नई दिल्ली में होने वाला था।

# टेनिस : नागल सरदेग्ना ओपन क्वालीफायर्स के दूसरे दौर में पहुंचे

**मुंबई।**

भारत के सुमित नागल इटली के कैगलिएरी में चल रहे एटीपी 250 सरदेग्ना ओपन में फ्रांस के मैक्सिमे जानविएर को हराकर क्वालीफायर्स के दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। 136वीं रैंकिंग के सुमित ने स्लोवाकिया के जोसफ कोवालिक को 6-2, 6-1 से हराया। कोवालिक 2016 से अबतक किसी भी ग्रैंड स्लैम के पहले दौर से आगे नहीं बढ़े हैं। नागल ने क्वालीफायर्स के ओपनिंग राउंड में इटली के आंद्रिया पेलेगरिनो को 6-3, 6-4 से हराया था। नागल क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए अब पिछले महीने अर्जेंटीना ओपन के फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे जहां उन्होंने विश्व के 22वें नंबर के खिलाड़ी चिली के क्रिस्टियन गारिन को हराया था। नागल को अर्जेंटीना ओपन में हालांकि पांचवीं सीड स्पेन के एलबर्ट रामोस विनोलास के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। 23 वर्षीय नागल ने 2019 में यूएस ओपन से ग्रैंड स्लैम में डेब्यू किया था और 2020 यूएस ओपन में पहली बार ग्रैंड स्लैम के किसी मैच में जीत हासिल की थी। इस साल हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन में उन्हें वाइल्ड कार्ड प्रवेश मिला था।

### संक्षिप्त समाचार

## ला लीगा : अंतिम मिनट में किए गोल से बार्सिलोना ने रियल मेड्रिड पर बनाई बढ़त

**बार्सिलोना।** ओसुमाने डेमबेले के अंतिम मिनट में किए गए गोल की बदौलत बार्सिलोना ने वालाडोलिद को 1-0 से हरा दिया। इसके साथ ही बार्सिलोना अंक तालिका में रियल मेड्रिड को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। बार्सिलोना को इस जीत से तीन अंक मिले और वह 29 मैचों में 65 अंक लेकर दूसरे स्थान पर आ गया है। बार्सिलोना और शीर्ष स्थान पर मौजूद एटलेटिको मेड्रिड के बीच एक अंक का फासला रह गया है। एटलेटिको मेड्रिड फिलहाल 29 मैचों में 66 अंक लेकर पहले स्थान पर है। एटलेटिको मेड्रिड अगर अपना अगला मुकाबला हार जाता है और बार्सिलोना को उसके अगले मैच जीत मिलती है तो बार्सिलोना तालिका में शीर्ष स्थान पर आ जाएगा। रियल मेड्रिड शनिवार को एबर को 2-0 से हराकर दूसरे स्थान पर पहुंचा था लेकिन बार्सिलोना को मिली जीत के बाद वह फिसलकर वह 29 मैचों में 63 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, बार्सिलोना के कोच रोनाल्ड कोएमैन ने इस मैच के लिए उसी एकादश को बरकरार रखा जिसने दो सप्ताह पहले रियल सोसिएदाद को 6-1 से मात दी थी। लेकिन उनके खिलाड़ी इस मैच में संघर्ष करते नजर आए। बार्सिलोना और वालाडोलिद के बीच मुकाबला बेहद कड़ा रहा और पहला हॉफ खत्म होने तक दोनों टीमों के बीच मुकाबला गोल रहित रहा।

## पृथ्वी शॉ सुपरस्टार खिलाड़ी बन सकते हैं : पोंटिंग

**नई दिल्ली।** दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का मानना है कि टीम के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ में सुपरस्टार खिलाड़ी बनने की क्षमता है। शॉ आईपीएल के पिछले सीजन में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके थे। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी फ्लॉप साबित हुए थे। शॉ ने हालांकि हाल ही में हुए विजय हजारे ट्रॉफी से फॉर्म हासिल की और आठ मैचों में 827 रन बनाए। पोटिंग ने क्रिकेट डॉट काम डॉट एयू से कहा, पिछले साल आईपीएल में मेरी शॉ के साथ मजेदार चर्चा हुई। मैं समझने की कोशिश कर रहा था कि उन्हें कोचिंग देने का सही तरीका क्या है और मैं उनके लिए कैसे बेस्ट कर सकता हूं। उन्होंने कहा, पिछले साल बल्लेबाजी में उनकी थ्योरी दिलचस्प थी। जब वह रन नहीं बना पाते थे तो वह बल्लेबाजी नहीं करना चाहते हैं और जब वह रन बनाते थे तो हर वक्त बल्लेबाजी करना चाहते थे। कोच ने कहा, चार और पांच मैचों में जब वह 10 रन या उससे कम के स्कोर पर आउट हो रहे थे तो मैंने उनसे कहा कि हम नेट्स पर काम कर सकते हैं। लेकिन उन्होंने मेरी तरफ देखकर कहा कि नहीं, मैं आज बल्लेबाजी नहीं करूंगा।

# कप्तान के तौर पर धोनी के खिलाफ खेलने के लिए उत्सुक हूं : पंत

**नई दिल्ली।**

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत का कहना है कि वह कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के खिलाफ खेलने के लिए बेहद उत्सुक हैं। पंत को चोटिल श्रेयस अय्यर की जगह टीम का कप्तान बनाया गया है। पंत ने कहा, कप्तान के रूप में मेरा पहला मैच धोनी भाई के खिलाफ है। मेरे लिए यह अच्छा अनुभव होगा क्योंकि मैंने उनसे काफी कुछ सीखा है। एक खिलाड़ी के तौर पर मेरा अनुभव है। मैं चेन्नई के लिए कुछ अलग करने के लिए अपना निजी अनुभव तथा धोनी से मिली सीख का उपयोग करूंगा। 23 वर्षीय पंत ने कहा, हमने अबतक आईपीएल का खिताब नहीं जीता है और मैं इस साल टीम को विजेता बनाने के लिए अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ दूंगा। पिछले दो-तीन वर्षो से हमने एक टीम के रूप में अच्छा किया है और हमारी तैयारियां बेहतर चल रही है। टीम में सभी अपना 100 फीसदी दे रहे हैं और टीम के वातावरण से खुश हैं, एक कप्तान के रूप में मैं यही चाहता हूं। पंत ने कहा, टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग हमारे लिए पिछले दो-तीन वर्षों में अद्भुत रहे हैं। उन्होंने टीम में ऊर्जा भरी है और एक खिलाड़ी के तौर पर जब आप अपने कोच को देखते हैं तो आप सोचते हैं कि यह वो इंसान से जिससे आप काफी कुछ सीख सकते हैं। उम्मीद करता हूं कि हम पोंटिंग और टीम के साथ खिलाड़ियों की मदद से इस साल विजेता बनने में कामयाब होंगे। दिल्ली की टीम ने बीते सीजन का फाइनल खेला था लेकिन वह खिताबी मुकाबले में मुम्बई इंडियंस से हार गई थी। दिल्ली की टीम अबतक आईपीएल की विजेता नहीं बनी है।

## फर्जी ऑडिशन कॉल्स को लेकर ज़ी अनमोल सिनेमा ने दर्शकों को किया सावधान

ज़ी अनमोल सिनेमा ने एक बयान जारी करके कुछ आपराधिक तत्वों द्वारा इस चैनल के नाम पर की जा रही फर्जी ऑडिशन प्रक्रिया के बारे में दर्शकों को सावधान किया है। असल में कुछ आपराधिक तत्व इस समय अलग-अलग माध्यमों पर एक फर्जी विज्ञापन चला रहे हैं, जिसमें अलग-अलग शहरों में टैलेंट शो ऑडिशंस लिए जाने की भ्रामक जानकारी दी जा रही है। दावा किया जा रहा है कि यह टैलेंट शो ज़ी अनमोल सिनेमा पर प्रसारित किया जाएगा। इसके लिए ये आपराधिक तत्व प्रतिभागियों से टीवी राउंड के लिए पैसों (20 से 25 हजार प्रति व्यक्ति) की मांग कर रहे हैं और इस प्रक्रिया में दर्शकों को भ्रमित कर रहे हैं, साथ ही ज़ी अनमोल सिनेमा के ब्रांड को भी गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं। कृपया ध्यान दीजिए कि ज़ी अनमोल सिनेमा किसी भी तरह से इस फर्जी ऑडिशन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है।

अपने बयान में ज़ी के प्रवक्ता ने बताया, "हमारे ध्यान में आया है कि कुछ असामाजिक तत्व टैलेंट रियलिटी शोज़ के लिए फर्जी ऑडिशन कॉल कर रहे हैं और यह दावा कर रहे हैं कि इसका प्रसारण ज़ी अनमोल सिनेमा पर किया जाएगा। ज़ी नेटवर्क के चैनलों द्वारा किसी भी कॉन्टेस्ट/ऑडिशन की घोषणा टीम द्वारा औपचारिक रूप से की जाती है, जिसे हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर भी देखा जा सकता है। हम अपने दर्शकों से गुजारिश करेंगे कि वो सतर्क रहें और रजिस्ट्रेशन करने से पहले तथ्यों की दोबारा जांच कर लें। यदि आपको ऑनलाइन ऐसा कोई ऑडिशन कॉल आता है या फिर इस तरह के ऑडिशन को लेकर आपसे संपर्क किया जाता है, तो कृपया सावधानी बरतें।"

## ICC Women's Rankings : स्मृति-झूलन की रैंकिंग बरकरार, शिखा टॉप 10 में लौटी

**दुबई ।** भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना, तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी और हरफनमौला दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में अपने स्थान पर बरकरार हैं जबकि शिखा पांडे ने शीर्ष दस में वापसी की है। मंधाना 710 अंक लेकर 7वें स्थान पर है जबकि कप्तान मिताली राज बल्लेबाजों की रैंकिंग में 8वें स्थान पर है। इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट शीर्ष पर है। गेंदबाजी में गोस्वामी 681 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है जबकि पूनम यादव आठवें और शिखा दसवें स्थान पर है। शिखा फरवरी 2019 में कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पांचवीं रैंकिंग पर पहुंची थी। हरफनमौलाओं में शीर्ष दस में दीप्ति अकेली भारतीय है जो 343 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली तीसरे स्थान पर है। गेंदबाजों में मेगान शट दूसरे स्थान पर पहुंच गई है जबकि मरिजाने काप तीसरे स्थान पर खिसक गई।

## संजू सैमसन का बड़ा खुलासा, मुझे पता था कि राजस्थान रॉयल्स का अगला कप्तान बनूंगा

**स्पोर्ट्स डेस्क।**

विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान राजस्थान रॉयल्स टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें पता था कि वह राजस्थान रॉयल्स के अगले कप्तान होंगे। आईपीएल 9 अप्रैल से शुरू होगा जबकि राजस्थान अपने अभियान की शुरूआत 12 अप्रैल से होगी और पहला मैच पंजाब किंग्स के खिलाफ खेला जाएगा। सैमसन ने एक समाचार पत्र से बातचीत के दौरान कहा, इसे अपने तक ही रखना कठिन था। मुझे विराट भाई, रोहित भाई और माही भाई से अच्छे बधाई संदेश मिले। उन्होंने कहा, यह तथ्य कि मेरी टीम और फ्रैंचाइज़ी इस काम को करने के लिए मुझ पर भरोसा करते हैं, बहुत विश्वास दिलाता है कि मुझमें कुछ है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि एक कप्तान तभी अच्छा होता है जब टीम अच्छी होती है। रॉयल्स के पास महान खिलाड़ियों का एक उत्कृष्ट समूह है और अद्भुत सहायक स्टाफ उनका समर्थन कर रहा है। मैं उनमें से अधिकांश को वर्षों से जानता हूं; वे परिवार की तरह हैं। इसलिए, मैं अपने आस-पास के लोगों के साथ एक आरामदायक जगह पर हूं। मैं 2013 में अपने किशोर दिनों से रॉयल्स का हिस्सा रहा हूं। उन्होंने कहा, विकेटकीपर भी श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं, जो आईपीएल 2021 के लिए राजस्थान के क्रिकेट निदेशक हैं, यह कहते हुए कि विकेटकीपर क्रिकेट के मैदान पर सबसे अच्छे जज हैं क्योंकि वे ÷और भी बहुत कुछ देख सकते हैं, विश्लेषण कर सकते हैं, बेहतर खेल है और एक कदम आगे है। उन्होंने आगे कहा, संगा किंवदंती है; सिर्फ अपनी क्रिकेट की वजह से नहीं। वह वास्तव में जानते हैं कि मैं कहां से आ रहा हूं, मैं क्या महसूस कर रहा हूं और अपने देश के लिए खेल रहा हूं और इस उम्र में एक आईपीएल टीम का नेतृत्व कर रहा हूं। मैं इस भूमिका में मेरे साथी के रूप में संगा से अधिक कुछ नहीं मांग सकता था। सैमसन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि हमने पिछले सीजन में बहुत गलत किया था। यदि आप हमारी प्लेइंग इलेवन को देखते हैं तो हम सर्वश्रेष्ठ में से एक हैं। अगर हम एक टीम के रूप में सही मानसिकता में हैं, मेरा मानना है कि अच्छी चीजें आगे देखेने को मिलेंगे। यह प्रारूप बहुत ही निडर क्रिकेट की मांग करता है, चाहे वह बल्लेबाजी, गेंदबाजी या क्षेत्ररक्षण में हो। यह गति, शक्ति और अपने आप को व्यक्त करने के बारे में है। मैं अपनी टीम से यही उम्मीद करता हूं।

## हनुमा विहारी खेलेंगे काउंटी क्रिकेट, इस टीम के साथ किया करार

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग की फेंचाइजियों द्वारा नजरअंदाज किए गए भारतीय टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज हनुमा विहारी इंग्लैंड में छह टेस्ट मैचों के आगामी दौरे की तैयारी काउंटी टीम वारविकशर से जुड़कर करेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग के बाद भारतीय टीम को इंग्लैंड में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में न्यूजीलैंड का सामना करना है। टीम को इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भाग लेना है। दायें हाथ का यह बल्लेबाज इंग्लैंड पहुंच गया है और बर्मिंघम की इस काउंटी टीम के साथ इस सत्र के कम से कम तीन मैचों के लिए जुड़ेगा। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने पुष्टि करते हुए कहा, '' हां, विहारी इस सत्र में इंग्लैंड की काउंटी टीम वारविकशर के लिए खेलेंगे। वह कुछ मैच खेलेंगे। वह इंग्लैंड में है।'' वारविकशर काउंटी के हालांकि आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन बीसीसीआई अधिकारियों के अनुसार इसके करार से जुड़ी चीजों पर काम किया जा रहा है। करार से जुड़ी चीजों पर काम जारी है। वह कम से कम तीन मैच खेलेंगे। हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या उन्हें कुछ और मैचों में खेलने का मौका मिल सकता है। विहारी ने इससे पहले 2019 में दिल्ली कैपिटल्स का प्रतिनिधित्व किया था लेकिन उसके बाद टेस्ट विशेषज्ञ का ठप्पा लगने के कारण आईपीएल नीलामी में किसी फेंचाइजी ने उनके लिए बोली नहीं लगाई। इस 27 साल के बल्लेबाज ने भारत के लिए 12 टेस्ट में 32 के अधिक के औसत से 624 रन बनाये है। उन्होंने इस दौरान एक शतक और चार अर्धशतक लगाए है। वह भारत के लिए आखिरी बार सिडनी टेस्ट में खेले थे।

# सूरत में कोरोना ने १३ वर्ष के ध्रुव को शिकार बनाया

## हंसते-खेलते बच्चे अचानक कोरोना की चपेट में आ रहे है, दूसरी लहर भी खतरनाक साबित हो रही है

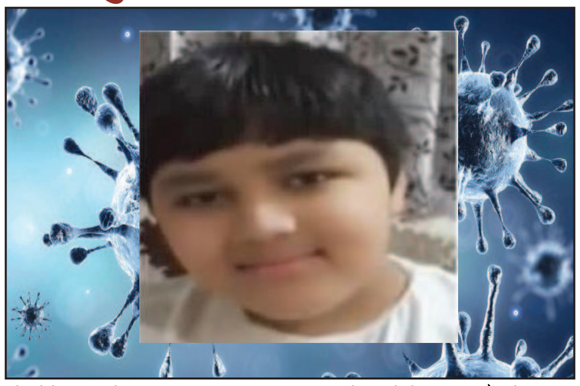

**सूरत।**
देश में कोरोना की दूसरी लहर ज्यादा से ज्यादा खतरनाक साबित हो रही है। यह लहर किसी को नहीं छोड़ रही है। पहली लहर में अधिकतर केस में बच्चे पॉजिटिव नहीं होते थे। अब यदि कोई पॉजिटिव हुआ तो मौत के अनुसार नहीं के बराबर था, लेकिन दूसरी लहर में कोरोना ज्यादा घातक बन रही है। देश में कई जगह से रिपोर्ट आ रही है कि बच्चे भी कोरोना ग्रस्त हो रहे है तथा उनकी स्थिति ज्यादा गंभीर बन रही है। ऐसे में सूरत में ऐसा ही एक केस सामने आया है। जिसमें १३ वर्ष के बच्चे का कोरोना से निधन हुआ है। राज्य में फिलहाल कोरोना का मामला बढ़ गया है तब यह केस वास्तव में चौंकाने वाला है। इसके साथ सभी के लिए एक संदेश भी है यदि अभी सतर्क नहीं हुए तो काफी लेट हो जाएगा। सूरत में १३ वर्ष के मोटावराछा के बच्चे का कोरोना से मजूरा फायर स्टेशन निकट की साची अस्पताल में मौत हुई है। इस बच्चे में कोरोना का कोई लक्षण नहीं था। अभी तक में कोरोना से सबसे छोटी उम्र के बच्चे की मौत सूरत में दर्ज हुई है। इसके अलावा १० वर्ष का एक बच्चा भी वेंटिलेटर पर उपचार ले रहे होने की रिपोर्ट मिल रही है। मोटावराछा में रहते और एम्ब्रोइडरी का कारखाना चलाते भावेशभाई कोराट का कहना है कि उनका १३ वर्ष का बेटा ध्रुव रविवार तक एकदम ठीक था। दूसरी विशेष बात यह थी कि ध्रुव को कोरोना का कोई लक्षण नहीं था। यानी कि बुखार सामान्य था। लेकिन रविवार को अचानक इसकी तबियत बिगड़ गई थी। ध्रुव को अचानक सांस लेने में तकलीफ होने लगी थी। जिसके बाद इसका एन्टिजन टेस्ट किया गया था, जो पॉजिटिव आने के बाद इसे तुरंत साची अस्पताल में भेजा गया। यहां इसका उपचार चल रहा था लेकिन उपचार के ५ घंटे में ध्रुव की मौत हो गई थी। बच्चों के लिए अब कोरोना ज्यादा साबित हो रहा है। साची अस्पताल में अन्य एक १० वर्ष के बच्चे को भी वेंटिलेटर पर रखा गया है। यह बच्चे का रेपिड एंटजन टेस्ट और बाद में आरटी-पीसीआर टेस्ट भी पॉजिटिव आया है। हंसते-खेलते बच्चे का ५ घंटे में मौत हो गई थी।

# सिटी बस के ड्राइवर-कंडक्टर की बदमाशी का विडियो वायरल

**राजकोट।**
राजकोट शहर के नाणावटी चौक के पास फिर एक बार सिटी बस के ड्राइवर और कंडक्टर की बदमाशी सामने आई है। सिटी बस के ड्राइवर-कंडक्टर द्वारा नाणावटी चौक पर एकजुट होकर वाहन चालकों पीटते हो इस प्रकार का विडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। उल्लेखनीय है कि नाणावटी चौक पर बड़ी संख्या में ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा होती है। तब सिटी बस के चालक द्वारा बस भी नाणावटी चौक पर ट्रैफिक जाम हो इस प्रकार से खड़ी रखी गई है। मारपीट के दृश्य सामने आने से लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। जिस जगह पर यह घटना हुई वहां से रैयाधार पुलिस चौकी सिर्फ ५० मीटर ही दूर है। सामान्य रूप से पॉइंट पर ट्रैफिक ब्रिगेड के जवान ट्रैफिक नियम का पालन कराते है। लेकिन मंगलवार को जिस प्रकार से घटना हुई है उस समय में कोई ट्रैफिक ब्रिगेड के जवान मौजूद नहीं होने का प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया था। अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहे विडियो मामले में गांधीग्राम पुलिस द्वारा भी जांच शुरू की गई यह जानकारी मिली है। विडियो में जिस प्रकार से सिटी बस के नंबर स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है।

हालांकि, यह पूरे मामले में सिटी बस के नंबर के आधार पर ड्राइवर और कंडक्टर की खोजबीन भी गांधीग्राम पुलिस द्वारा शुरू की गई है। अब यह मामले में जीपी एक्ट की धारा तथा अन्य धारा के तहत अपराध दर्ज किया जाता है कि नहीं अब यह देखना महत्वपूर्ण रहेगा। उल्लेखनीय है कि तीन दिन पहले राजकोट शहर के मालवियानगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में नाइट कर्फ्यू के बीच कई शख्स मारपीट कर रहे हो वादविवाद कर रहे इस प्रकार का विडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। वायरल हुए विडियो के आधार पर मालवियानगर पुलिस द्वारा कानूनी कार्रवाई की गई थी।

# सूरत में भयानक स्थिति, श्मशान में ८ घंटे का वेटिंग

**सूरत।**
सूरत के अश्विनी कुमार श्मशान में शवों के अंतिम संस्कार के लिए लंबी कतार लगी होने का एक विडियो सामने आया है। शवों के अंतिम संस्कार के लिए लंबी लाइनें देखकर किसी को भी डर हो जाएगा। फिलहाल सोशल मीडिया में एक विडियो वायरल हुआ है। शहर में पालिका विभाग द्वारा दिया जाता मौत का आंकड़ा और श्मशान गृह के आंकड़े में बड़ा बदलाव श्मशान गृह के साथ जुड़े हुए सूत्रों का कहना है। हेल्थ विभाग कोरोना के खिलाफ जंग में लड़ रहा है तब यह जानलेवा बीमारी के प्रतिदिन घोषित होते सरकारी आकड़े तथा शहर की वास्तविक परिसथिति में जमीन आसमान का अतंर होने की वास्तविकता सामने आई है। जबकि दूसरी तरफ सूरत में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा विडियो किसी को भी स्तब्ध कर सकता है। हाल में सूरत के अश्विनी कुमार श्मशान में शवों के अंतिम संस्कार के लिए बहुत ही लंबी कतार लगी होने का एक विडियो सामने आ रहा है। शवों के अंतिम संस्कार करने के लिए लंबी लाइने देखकर कोई भी व्यक्ति डर सकता है। हाल में सोशल मीडिया पर एक विडियो बहुत ही वायरल हुआ है। पूरे शहर में पालिका विभाग ने दिए मौत के आंकड़े तथा श्मशान गृह के आंकड़े में बदलाव श्मशान गृह के साथ जुड़े हुए हैं। पूरे शहर की निजी अस्पताल मरीजों से भरी पड़ी है। जबकि हाल में श्मशान गृह में शवों से भर चुकी है। कोरोना से मरीजों के मौत का आधिकारिक आंकड़ा सिर्फ ५ घोषित किया गया है जबकि दूसरी तरफ शहरी क्षेत्र की

अलग-अलग श्मशान गृह में रोजाना कुल ७५ से भी ज्यादा मरीजों के अंतिम संस्कार कोविड गाइडलाइन के अनुसार हो रहे होने की बहुत भयंकर स्थिति है। उपचार कराने के लिए अस्पताल में मरीज कतार में बैठे हैं, अब श्मशान में कोविड प्रोटोकल के अनुसार अंतिम संस्कार करने के लिए शवों की लाइन लगी है।

# कर्मकांडी ब्राह्मण एटीएम तोड़ने के लिए पहुंचा

## कोरोना की वजह से नौकरी धंधावाले ही नहीं लेकिन धार्मिक कर्मकांड करते लोगों को भी भारी परेशानी हो रही है

**सूरत।**
कोरोना के बीच पिछला एक वर्ष प्रत्येक व्यक्ति के लिए काफी मुश्किल वाला रहा है। इस समय के दौरान कई लोगों की नौकरी चली गई व्यापार-धंधा ठप हो गया। कोरोना का असर कर्मकांड करते ब्राह्मणों पर भी हुआ है। इसका अनुमान आप सूरत में सामने आई घटना पर से लगा सकते है। अब मामला इस प्रकार का है कि एक कर्मकांडी ब्राह्मण युवक ने पत्नी के साथ विवाद होने पर माइके चली गई। पत्नी ने कहा कि पैसा लिए बिना घर पर नहीं आना। बस फिर क्या ब्राह्मण ने विचार किया और आधी रात को एटीएम तोड़ने के लिए पहुंच गया। हालांकि सीसीटीवी के आधार पर पुलिस वहां पहुंची यह युवक को गिरफ्तार किया गया है। महिधरपुरा पुलिस से मिल रही जानकारी के अनुसार पार्थ भीखाभाई रावल को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। पुलिस के बताये अनुसार पार्थ कर्मकांडी ब्राह्मण है और इसके पिता टिफीन सर्विस का काम करते है। पार्थ की पत्नी कुछ दिन पहले पैसा कमाने के मामले में झगड़ा करके माइके रहने चली गई थी। पत्नी के ताने से पार्थ को दुख हुआ जिसकी वजह से इसने एटीएम तोड़कर भारी केश चोरी का प्लान

बनाया था। शनिवार की रात को एक बजे के करीब पार्थ दिल्लीगेट चाररास्ते पर शॉपिंग सेंटर के बगल में स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम में छड़ लेकर पहुंच गया। जहां उसने एटीएम तोड़ने का सभी प्रयास किया। इस दौरान सिक्योरिटी एजेंसी को सीसीटीवी में कोई व्यक्ति तोड़फोड़ करते हुए नजर में आया। जिसकी वजह से उन्होंने स्थानीय अधिकारियों को जानकारी दी गई।

जिसकी वजह से तुरंत सिक्योरिटी एजेंसी और पुलिस एटीएम सेंटर पर पहुंचकर और एटीएम में तोड़फोड़ करने पर पार्थ को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने इसके खिलाफ शिकायत दर्ज करके और पुलिस शिकायत के अनुसार पार्थ एटीएम में ९० हजार रुपये का नुकसान करने का उल्लेख किया गया है।

# मरीज लगातार बढ़ने पर नये अस्पतालों को मंजूरी दी जाएगी

**राजकोट।**
राजकोट शहर की सिविल अस्पताल में कोरोना संक्रमित मरीजों को ज्यादा प्रमाण में उपचार मिले इसके लिए अलग-अलग तीन वार्ड में वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सदस्यों के साथ बैठक की गई थी। जिस बैठक में नई कोविड अस्पताल को मंजूरी देने के मामले में तैयारी बताई गई है। राजकोट शहर में नये २८३ और ग्रामीण क्षेत्र में सिर्फ २८ केस आने पर कुल ३११ केस दर्ज किए गए हैं। इसके साथ कुल केस का आंकड़ा २८,०८३ हुआ है। प्रशासन रोजाना नये अस्पताल शुरू करने के लिए दबाव बनाकर बेड ज्यादा है लेकिन बेड बढ़ते हैं इसकी दोगुना गति से मरीज भी बढ़ रहे है। राजकोट में फिलहाल १९०० बेड की क्षमता हुई फिर भी सिर्फ ४४४ बेड खाली रहे हैं।

जबकि एक्टिव केस की बात करे तो शहर और जिले में १७३५ एक्टिव केस है हालांकि जिन लोगों ने १० दिन पूरा किया है उनको एक्टिव केस से बाहर तो निकाला है लेकिन १४ दिन नहीं हो तब तक क्वारंटाइन रखते हैं। दूसरी तरफ गोंडल के भुणावा गांव में कोरोना के तीन केस आने के साथ ही कोरोना महामारी के खिलाफ ग्रामीणों का स्वास्थ्य खतरे में नहीं पड़ जाए इसके लिए भुणावा गांव में स्वैच्छिक दस दिन का लॉकडाउन ऐलान किया गया है। १० दिन के लिए जीवन जरूरत की सभी चीजवस्तु भी उपलब्ध कर ली गई है। मिली जानकारी के अनुसार कोरोना की दूसरी लहर को काबू में लेने के लिए सरकारी और हेल्थ विभाग काफी मेहनत कर रहा है। अब इसे सहयोग देने के तहत और ग्रामीणों के स्वास्थ्य को असर नहीं हो इस शुभ उद्देश्य से गोंडल तहसील के भुणावा गांव के सरपंच और जिला पंचायत के कारोबारी चेयरमैन सहदेवसिंह जाडेजा द्वारा ग्रामीणों के साथ मीटिंग का आयोजन किया गया इसमें सर्वसम्मति से दस दिन स्वैच्छिक लॉकडाउन करने का निर्णय लिया गया है और गांव में दस दिन के दौरान जरूरी चीज वस्तुओं की कमी नहीं हो इसके लिए चीजवस्तु भी उपलब्ध कर लिए जाने का अंत में बताया गया है।

# चिंता करने के बजाए लोग सतर्क रहें, अभी और बढ़ सकते हैं कोरोना के मामले: मुख्यमंत्री

**सूरत।**
मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज लोगों से चिंता करने के बजाए लोगों को लापरवाही छोड़ सतर्क रहने की अपील की है। राज्य में अभी और कोरोना के मामले बढ़ सकते हैं। कोरोना का कहर केवल गुजरात ही नहीं बल्कि देशभर में है। गुजरात हाईकोर्ट के राज्य में तीन-चार दिन लॉकडाउन या कर्फ्यू लगाने के आदेश के बाद सूरत में मुख्यमंत्री ने पत्रकार वार्ता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। राज्य में कुल केसों में 60 प्रतिशत से अधिक केस अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट के हैं। राज्य के अन्य जिलों में संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से राज्य की जनता के सहयोग से कोरोना के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। देशभर में जिस प्रकार कोरोना के केस बढ़ रहे हैं, उसे देखते हुए आगामी समय में संक्रमितों की संख्या बढ़ने की संभावना है। लेकिन इससे डरने के बजाए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। कोरोना की रोकथाम के लिए टीकाकरण अभियान तेज कर दिया है। आज राज्य में रोजाना 4 लाख से अधिक लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा रहा है। अब तक राज्य में 10 लाख से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मास्क और वैक्सीन ही कोरोना से बचने का उपाय है। जो लोग मास्क लगाते हैं उनमें 98 प्रतिशत ऐसे हैं जो कोरोना से सुरक्षित हैं, केवल दो प्रतिशत लोग ही इसकी चपेट में आते हैं। सरकार की जिम्मेदारी है कि ज्यादा से ज्यादा लोग कोरोना से सुरक्षित रहें, इसके लिए टेस्टिंग भी बढ़ा दिया गया है। पहले 60 हजार टेस्टिंग किए जाते थे, जिसे अब दोगुना कर दिया गया है। ताकि जहां कहीं भी कोरोना है, उसे खत्म किया जा सके। संक्रमित मरीजों को तेजी से उपचार हो इसके लिए 104 की व्यवस्था की है। यदि किसी को बुखार या शर्दी की शिकायत है तो 104 से संपर्क कर सकता है। सरकार की ओर से डॉक्टर और वैन उसके पास पहुंच जाएगी और उसका उपचार शुरू कर देगी। संजीवनी रथों की सेवा भी बढ़ा दी गई है। होम कोरन्टाइन लोगों के लिए संजीवनी रथ की व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार ने सूरत में और 300 वेन्टीलेटर देने का फैसला किया है। इसके अलावा आज रात तक 2500 रेमडेसिवीर इंजेक्शन पहुंचा दिए जाएंगे और कल सूरत में 50 संजीवनी रथ दौड़ाने का सरकार का फैसला किया है। इसके अलावा 800 बैड

की किडनी होस्पिटल अतिशीघ्र शुरू करने का सरकार ने फैसला किया है। गुजरात हाईकोर्ट के फैसले को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज शाम गांधीनगर में इस बारे में चर्चा कर कोई फैसला किया जाएगा। बता दें कि गुजरात हाईकोर्ट ने कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों को लेकर राज्य सरकार ने तीन-चार दिन का लॉकडाउन सप्ताह के अंत में कर्फ्यू लगाने का आदेश दिया है।

सूरतभूमि, सूरत। दिनांक 6/04/2021 को भारतीय जनता पार्टी का 41 वा स्थापना दिवस मनाया गया यह कार्यक्रम सूरत शहर के अलथान हेल्थ सेंटर में चोर्यासी विधानसभा की विधायिका झंखना पटेल के नेतृत्व में मनाया गया। इस कार्यक्रम में चोरासी विधानसभा की विधायिका तथा शहर के टी पी चेयरमैन कनुभाई पटेल, मनु भाई शहर मंत्री ,सूरत शहर मंत्री प्रदीप सिंह राजपूत, वार्ड के कॉर्पोरेटर बंशु यादव ,सुधा पांडे, वार्ड महामंत्री रमेश तिवारी, युवा मोर्चा महामंत्री संदीप उपाध्याय तथा अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा मनाया गया।

# पुलिस के नंबर प्लेट बिना के वाहनों को लेकर बवाल हुई

**राजकोट।**
राजकोट शहर के सांढिया पुल के निकट स्थित बगीचे के पास का एक विडियो फिलहाल सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। विडियो में वाहन चालक पुलिस कर्मचारी तथा ट्रैफिक ब्रिगेड के जवानों के वाहन बताते है। जिस वाहनों में जाति आधारित शब्द लिखा गया है तथा कई वाहनों में नंबर प्लेट शब्द बिना की होने का सामने आया है। कई वाहनों में नंबर प्लेट ही नहीं होने का सामने आया है। अब विडियो में वाहन चालक अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए बता रहा है कि, एक तरफ से नंबर प्लेट बिना के या फेंसी नंबर प्लेट वाला वाहन चालकों से पुलिस जुर्माना वसूल कर रही है। दूसरी तरफ सांढिया पुल के निकट स्थित बगीचे के पास ट्रैफिक पुलिस द्वारा चेकिंग शुरू किया गया।

ट्रैफिक पुलिस द्वारा वाहन चालकों को रोककर उनके पास से जरूरी कागज तथा ट्रैफिक नियमन का भंग करने पर जुर्माना लगाया जा रहा था। इस समय में ट्रैफिक नियम का पालन कराने वाले तथा जुर्माना लगाने वाले पुलिस अधिकारी तथा ट्रैफिक ब्रिगेड के जवान के वाहन भी वहां बगल में रहते हैं। यह वाहन बताने पर युवक ने बनाया था। युवक ने बनाये विडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि पुलिस लिखी गाड़ी में किसी भी प्रकार की नंबर प्लेट नहीं है। एक वाहन में तो नंबर प्लेट में किसी भी प्रकार का शब्द नहीं होने का सामने आया है। जबकि एक वाहन में जाति आधारित शब्द लिखा जाने का सामने आया है। उल्लेखनीय है कि, पुलिस द्वारा लोगों को जबकि ट्रैफिक नियम का भंग करने पर जुर्माना लगाया जाता है। अब लोग भी पुलिस से तथा ट्रैफिक ब्रिगेड के जवानों से इतनी अपेक्षा रखते है कि वह भी ट्रैफिक नियमों का पालन करे। वह भी अपने नंबर प्लेट सामान्य नागरिकों के जैसे ही नियम अनुसार लगाये। पीयूसी सहित के कागज ड्राइविंग करते समय अपने साथ रखे। उल्लेखनीय है कि इसके पहले भी कई ऐसे विडियो राजकोट शहर से वायरल हुए हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत ( गुजरात ) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ ( गुजरात ) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत ( गुजरात ) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, ( न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा )